दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 176 मुरादाबाद, 15 October 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्रथम नवरात्री शैलपुत्री

वन्दे वांछितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम। वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशंस्विनिम।।

मां दुर्गा का पहला स्वरूप शैलपुत्री का है। पर्वतराज हिमालय के यहां पुत्री के रूप में उत्पन्न होने के कारण इनको शैलपुत्री कहा गया। यह वृषभ पर आरूढ़ दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में पुष्प कमल धारण किए हुए हैं। यह नव दुर्गाओं में प्रथम दुर्गा हैं। नवरात्रि पूजन में पहले दिन इन्हीं का पूजन होता है। प्रथम दिन की पूजा में योगीजन अपने मन को मूलाधार चक्र में स्थित करते हैं। यहीं से उनकी योग साधना शुरू होती है।

मिशन शक्ति 4.0 का हुआ आगाज, सीएम योगी बोले- सरकार के सहयोग से महिलाएं कुछ भी कर सकती हैं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिशन शक्ति की सफलता का ही परिणाम है कि भारत सरकार ने भी महिला सुरक्षा के लिए चलाए जाने वाले अभियान का नाम मिशन शक्ति रखा है जो यह दर्शाता है कि जब कोई भी इनिशिएटिव समाज में व्यापक जागरूकता का बड़ा माध्यम बनता है तो उसे राष्ट्रव्यापी बनने में देर नहीं लगती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास से नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति के चौथे चरण का आगाज महिला सशक्तिकरण रैली को रवाना कर किया, जो राजधानी के विभिन्न पड़ाव से होते हुए 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। रैली के जरिये केंद्र और राज्य सरकार की ओर से महिलाओं-बेटियों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं से रूबरू कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में वर्ष 2020 में महिला संबंधी अपराधों को नियंत्रित करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसकी थीम थी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन। तीन मुद्दों को लेकर शुरू हुआ कार्यक्रम आज मिशन शक्ति के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम ने प्रदेश में लोकप्रियता हासिल करने के साथ पूरे देश में महिला संबंधी अपराध को नियंत्रित करने और अपराधियों को सजा दिलाने वाले राज्यों में अग्रणी राज्य बन गया। इसलिए रखा गया मिशन शक्ति नाम- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मिशन शक्ति की सफलता का ही परिणाम है कि भारत सरकार ने भी महिला सुरक्षा के लिए चलाए जाने वाले अभियान का नाम मिशन शक्ति रखा है, जो यह दर्शाता है कि जब कोई भी इनिशिएटिव समाज में व्यापक जागरूकता का बड़ा माध्यम बनता है तो उसे राष्ट्रव्यापी बनने में देर नहीं लगती है। मिशन शक्ति के इस चौथे चरण का भी यह उद्?देश्य है।कार्यक्रम की जानकारी जन-जन तक पहुचाएं सीएम योगी ने कहा कि सरकार विभिन्न तरह के कार्यक्रम चलाती है, लेकिन जिनके लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है उन्हे इसकी जानकारी ही नहीं हो पाती। इसकी वजह से वह इसका लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे में प्रदेश के सभी 75 जिलों के लिए जागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया है। इसके बाद प्रदेश के हर जनपद के स्कूल, कॉलेज में प्रभात रैलियां निकाल जाएंगी। इसके अलावा उन जनपदों में महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन को लेकर अच्छा काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।सीएम योगी ने कहा कि वहीं 15 अक्टूबर से हर शहर, गांव और नगर निकायों के वार्ड में केंद्र और राज्य सरकार की महिला संबंधी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान सरकार की ओर से महिलाओं और बेटियों की रक्षा से संबंधित उठाए गए विभिन्न मुद्दों से उन्हें अवगत कराया जाएगा। पहले प्रदेश में लोग महिलाओं के बारे में बोलते थे कि वह बहुत पढ़ी-लिखी नहीं है तो वह क्या काम कर पाएंगी, लेकिन हमारी सरकार ने इस धारणा को बदला।सीएम योगी ने कहा कि आज बीसी सखी, बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंस सखी बन कर वह गांव में बैंक की कमी को पूरा कर रही हैं। इतना ही नहीं वह गांवों के लोगों की विपत्ति के समय में मदद भी कर रहीं हैं। इन महिलाओं को सरकार की ओर से छह माह का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सरकार ने मानदेय भी दिया। इनमें सबसे कम 25 हजार रुपये और सबसे अधिक सवा से डेढ़ लाख तक महिलाएं कमा रहीं हैं। इस प्रयास को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि इससे पहले वर्ष 2019 में तीसरी और पांचवीं पास महज पांच से सात महिलाओं का सपोर्ट करते हुए सरकार ने बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर की स्थापना की। पिछले 3 वर्षों में इनका कारोबार प्रति वर्ष डेढ़ सौ करोड़ के टर्नओवर तक पहुंच गया है और लगभग 15 से 16 करोड़ का नेट प्रॉफिट होता है। उन्होंने 40,000 महिलाओं को अपने साथ जोड़ लिया है। सीएम योगी ने कहा कि खुद में इच्छा शक्ति, सरकार और प्रशासन का समर्थन हो तो महिलाएं कुछ भी कर सकती हैं।

शोहदों पर कार्रवाई का डाटा सरकार को देना होगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे बड़ा आबादी वाला राज्य है। ऐसे में आधी आबादी के लिए विशेष प्रयास होने चाहिये। मिशन शक्ति के चौथे चरण के तहत रैली का शुभारंभ इसे ही दर्शाता है। 15 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में महिलाओं को जागरूक करने के साथ उनकी समस्याओं के समाधान के विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ ही महिला और बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले से सख्ती से निपटा जाएगा। इसको लेकर सख्त आदेश दिए गए हैं, क्योंकि सरकार पहले ही लोगों को सुधरने का काफी समय दे चुकी है। वहीं ऐसे लोगों से सख्त से निपटने के लिए थाना स्तर पर कार्रवाई का रिकॉर्ड भी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। ये नेता रहे मौजूद-अंत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को मिशन शक्ति के चौथे चरण के शुभारंभ की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी विजय कुमार, विशेष पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन नीरा रावत, अपर पुलिस महानिदेशक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन पद्मजा चौहान आदि उपस्थित थे।

भारत-लंका नौका सेवा का शुभारंभ वास्तव में बड़ा कदम, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु के नागपट्टिनम से श्रीलंका में जाफना के पास कांकेसंथुराई तक यात्री नौका सेवा की शुरुआत लोगों से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए एक वास्तव में बड़ा कदम है। नौका सेवा के शुभारंभ पर जयशंकर ने कहा कि कनेक्टिविटी सहयोग और संपर्कों पर ध्यान देने के साथ भारत का अपने निकटतम देशों के लिए उदार और दूरदर्शी दृष्टिकोण है। भारत और श्रीलंका के बीच हुई नौका सेवा की शुरुआत- तमिलनाडु के नागपट्टिनम से श्रीलंका में कांकेसंथुराई तक नौका सेवा- प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने दी थी मान्यताविदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु के नागपट्टिनम से श्रीलंका में जाफना के पास कांकेसंथुराई तक यात्री नौका सेवा की शुरुआत लोगों से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए एक वास्तव में बड़ा कदम है। नौका सेवा के शुभारंभ पर एक आभासी समारोह में जयशंकर ने कहा कि कनेक्टिविटी, सहयोग और संपर्कों पर ध्यान देने के साथ भारत का अपने निकटतम देशों के लिए उदार और दूरदर्शी दृष्टिकोण है। भारत-श्रीलंका के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए यह बड़ा कदम- उन्होंने कहा, भविष्य में हम ग्रिड कनेक्शन, पाइपलाइन और आर्थिक गलियारे पर विचार कर रहे हैं। इसके साथ ही निश्चित रूप से श्रीलंका में सभी को समान सम्मान और समान अधिकारों के साथ रहने के लिए समर्थन दिया जाएगा। भारत द्वीप राष्ट्र में तमिल समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके लिए सम्मान और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए कोलंबो को संदेश देता रहा है। नौका सेवा जुलाई में दोनों देशों के नेताओं द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप शुरू की गई थी। जयशंकर ने कहा, भारत और श्रीलंका के बीच लोगों से लोगों के बीच संपर्क के लिए यह वास्तव में एक बड़ा कदम है। इसे प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने मान्यता दी थी।

महाराष्ट्र में जनता पार्टी परिवार के छोटे- छोटे दलों से हाथ मिलाएंगे उद्धव ठाकरे

उद्धव ठाकरे आगामी 15 अक्तूबर रविवार को राज्य के समाजवादी जनता परिवार के सभी दलों और संगठनों के साथ बैठक करेंगे। चर्चा है कि इस बैठक में समाजवादी जनता पार्टी-जदयू आदि और शिवसेना (यूबीटी) के बीच गठबंधन पर अंतिम फैसला लिया जाएगा... शिवसेना में दो फाड़ के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे प्रदेश में नई राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिए पूर्व की जनता पार्टी से संबंधित सेकुलरवादी छोटी-छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन करने की तैयारी में हैं। कांग्रेस और एनसीपी जैसी पार्टियों के साथ गठबंधन कर सत्ता में आने के बाद अब 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उद्धव ठाकरे समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष विचारों की पोषक जनता परिवार की उन पार्टियों से हाथ मिलाने की तैयारी में है जो सूबे की राजनीति में दशकों से हाशिए पर हैं। उद्धव ठाकरे आगामी 15 अक्तूबर रविवार को राज्य के समाजवादी जनता परिवार के सभी दलों और संगठनों के साथ बैठक करेंगे। चर्चा है कि इस बैठक में समाजवादी जनता पार्टी-जदयू आदि और शिवसेना (यूबीटी) के बीच गठबंधन पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। यह बैठक बांद्रा स्थित एमआईजी क्लब में होगी, जिसमें डेढ़ सौ लोगों को आमंत्रित किया गया है। जनता दल (यू) के महासचिव और राज्य विधान परिषद के सदस्य कपिल पाटिल के अनुसार इससे पहले 24 अगस्त को पुणे में बैठक हो चुकी है। मुंबई में दूसरी बैठक हो रही है जिसमें उद्धव ठाकरे अन्य नेताओं के साथ संवाद करेंगे। इस बैठक में समाजवादी जनता परिवार के नेताओं के अलावा विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता और श्रमिक संगठनों के नेता भी हिस्सा लेंगे। पाटिल ने कहा कि महाराष्ट्र में समाजवादी जनता परिवार से संलग्न पार्टी और संगठनों का करीब 7 से 8 फीसदी वोट है। यह वोटबैंक जुड़ने से शिवसेना ही नहीं बल्कि इंडिया गठबंधन और अधिक मजबूत होगा।

शिवसेना 22 बार कर चुकी है समाजवादियों के साथ गठबंधन

दिवंगत बाल ठाकरे ने 19 जून 1966 को शिवसेना की स्थापना की थी। तब से लेकर अब तक शिवसेना 22 बार धर्मनिर्पेक्ष, समाजवादी पार्टियों के साथ गठबंधन कर चुकी है, जिसमें मुस्लिम लीग भी शामिल रही है। दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री जार्ज फर्नांडिस के साथ शिवसेना के गठबंधन को मुंबई में अब भी याद किया जाता है। शिवसेना ने 1968 में पहली बार बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) का चुनाव लड़ा था। तब बाल ठाकरे ने प्रजा समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता मधु दंडवते के साथ गठबंधन किया था। उसके बाद 1973 में रिपब्लिकन पार्टी (गवई गुट) से समझौता किया था। मुंबई में कांग्रेस की मदद से शिवसेना का पहला महापौर बना था। उस समय शिवसेना ने सुधीर जोशी को महापौर बनाने के लिए मुस्लिम लीग से भी हाथ मिलाया था।

चेन्नई के होटल में सोनिया की कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक, प्रियंका भी हुई शामिल

सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी आज चेन्नई के एक निजी होटल में कांग्रेस के नेताओं, सांसदों और विधायकों के साथ बैठक की। तमिलनाडु के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, सांसद और विधायकों ने सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा से एक निजी होटल में मुलाकात की। सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा फिलहाल चेन्नई में मौजूद हैं। वे यहां द्रमुक महिला अधिकार सम्मेलन में शामिल होने के लिए आई हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन दोनों कांग्रेसी नेताओं का स्वागत करने हवाईअड्डे पर पहुंचे थे। उनके साथ डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि और टीआर बालू भी वहां मौजूद थे। दरअसल, तमिलनाडु सीएम स्टालिन की अध्यक्षता में महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डाला जाएगा। डीएमके उप महासचिव के कनिमोझी ने सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की प्रमुख महिला नेताओं को आमंत्रित किया है। गठबंधन इंडिया में शामिल पार्टियों की कई महिला नेताएं भी चेन्नई पहुंची हैं।

हरिद्वार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, असम के सीएम बोले- सनातन धर्म नहीं हो सकता कभी खत्म

पितृपक्ष की अमावस्या के चलते आज हर की पैड़ी हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है। अमावस्या पर स्नान करने का विशेष महत्व होता है। ऐसे में इस पुण्य का लाभ लेने के लिए सुबह-सुबह ही श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने पहुंचे।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी हरिद्वार के प्राचीन नारायणी शिला मंदिर में पूजा अर्चना करने पहुंचे। यहां पितरों के लिए पूजन करने के बाद उन्होंने कहा कि सनातन कभी खत्म नहीं हो सकता। बताया कि वह हर साल अमावस्या के दिन प्राचीन नारायणी शिला मंदिर आने की कोशिश करते है। आज भी वह पितृ अमावस्या के मौके पर नारायणी शिला मंदिर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने सनातन धर्म पर की जा रही लगातार बयान बाजी पर बोलते हुए कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि सनातन और सनातन से जुड़ी परंपराएं इस देश में खत्म हो जाए,लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि जब वह लोग भी नहीं थे तब से सनातन धर्म था। करीब 5000 साल पूर्व से सनातन धर्म और उससे जुड़ी परंपराएं चलती आ रही है। सनातन धर्म की की परंपराएं आगे भी इसी तरह चलती रहेगी। वहीं गठबंधन द्वारा की जा रही बयान बाजी पर उन्होंने कहा कि यह जो गठबंधन के लोग सनातन धर्म पर बयानबाजी कर रहे है यह पाप का कार्य कर रहे हैं और इस पाप के लिए भारत के लोग उन्हें 2024 में जवाब देंगे ।माना जाता है कि यदि किसी को अपने पितरों की मृत्यु कि तिथि ना पता हो तो वह पितृ पक्ष के अंतिम दिन अमावस्या को पितरों को पिंडदान तर्पण कर सकता है। इससे पितरों को मुक्ति और मोक्ष मिलता है।आज के दिन किया गया दान पुण्य कभी बेकार नहीं जाता है। नारायणी शिला के पंडित मनोज त्रिपाठी ने बताया कि पुराणों में कहा गया है कि जो व्यक्ति श्राद्ध पक्ष में किसी भी वजह से श्राद्ध नहीं कर पाता है तो वह इस पक्ष के आखिरी दिन पितृ विसृजनी अमावस्या को पिंडदान श्राद्ध आदि कर दे तो पितरों को सदगति मिलती है।यह भी मान्यता है कि हरिद्वार में नारायणी शिला पर अपने सभी भूले बिसरों और पितरों का पिंडदान व तर्पण करने से उन्हें प्रेत योनि से मुक्ति मिलती है।हरिद्वार में स्थित नारायणी शिला में भगवान श्री हरि नारायण की कंठ से नाभि तक का हिस्सा है। नारायणी शिला के बारे में बताया जाता है कि यह श्री हरिनारायण का हृदय स्थल है। यहां पर आकर आप जो कुछ कहते हैं, वह भगवान को अपने हृदय में सुनाई देता है।यहां आकर जो भी अपने पितरों के निमित्त कर्म करता है, उसके पितरों को मुक्ति मिलती है।

संपादकीय Editorial

Woman vs unborn child

Abortion is legal in India. The bill was first passed by Parliament in 1971, which became law, but in 2021, some necessary amendments were made in it. In the context of abortion, two situations are considered most important. One, how many weeks is the pregnancy? Secondly, women's rights and their bodily autonomy were given top priority. Now such a hearing is going on in the Supreme Court that along with the physical autonomy of the woman, the living fetus in the womb, i.e. the unborn child, also has the rights. It cannot be terminated in view of the woman's wish. The Chief Justice of the country Justice DY Chandrachud has raised some humanitarian questions whether he should call the doctor of AIIMS and ask him to stop the heartbeat of the unborn child? The fetus cannot be killed like this. The judicial bench has clarified that an unborn child is a living and normally developed fetus. The top court will have to balance his rights with his mother's right to autonomy in decision-making. The rights of the unborn child also cannot be ignored. The matter has come before the Supreme Court through a petition by a married woman, who has come to the court seeking permission to terminate her 26-week pregnancy. However, a divided decision of two women judges has come out on this issue.

Justice BV Nagarathna has allowed abortion 'in the interest of the woman', while Justice Hima Kohli has refused permission citing concern and concern for the 'viable fetus'. As a result, judicial and medical confusion over the law and rights of abortion has increased further. This should be resolved immediately. Chief Justice Justice Chandrachud is presiding over a separate judicial bench, yet he has expressed the court's concern over the rights of the unborn child. This judicial bench has asked the Center and the petitioner's counsel to talk to the pregnant petitioner woman about the possibility of maintaining the pregnancy for a few more weeks. If the child is taken out through surgery as per the woman's request, then there is a possibility of physical and mental disorders occurring in it. Such are the findings of medical reports. Through this case, abortion has become an issue of national concern. Despite many progressive changes in the law, organizations and associated activists working in this field believe that there is still scope for improvements in the law. The period of pregnancy given in law as 20-24 weeks should be further increased. If the pregnancy is after 24 weeks and the woman wants to terminate it, there should be a provision for a decision to be taken by a medical board. This too should not prove to be a 'bad joke', because there are still such areas in our country where doctors cannot be found even after searching. Yet today it should be made absolutely clear to the medical profession and the court that the decision of the pregnant woman should be respected. Only his health should be kept under consideration. In the present case, the Government of India has intervened and said that the medical board has concluded that the fetus is alive and can take birth. In such a situation, can the woman's wishes and state of mind be ignored? The same judges whose decisions are divided today had earlier jointly ruled that a woman has full rights over her own body. However, this petition has been filed under Article 32 of the Constitution. Under this, every citizen of India can ask the apex court to protect his fundamental rights. How many women in the country are able to reach court regarding pregnancy is also an important question. The question of the rights of the unborn child has been raised by the Chief Justice himself, so this complex situation must be addressed in its entirety. The Honorable Court is also right in saying that it cannot order the destruction of the unborn child.

Where the mind is filled with fear

The dismissal of Karan Sangwan, a tutor associated with Unacademy's digital learning platform, triggered a discussion on the scope of academic freedom in Indian educational institutions. His termination followed his advice to students, in which he urged them to support educated leaders through their votes while criticizing legislative proposals related to India's criminal justice system. Two professors at Ashoka University also resigned recently, citing threat to academic freedom. Soon after Sabyasachi Das, an assistant professor, resigned over the controversy over his research paper titled "Democratic Backsliding in the World's Largest Democracy," another economics professor, Pulapre Balakrishnan, resigned in solidarity. The departments of political science, sociology and anthropology issued statements condemning the university's interference in evaluating Das's research and demanding his reinstatement. These departments also stressed the violation of academic freedom and called for an apology from the governing body. There have been persistent concerns among scholars that academic freedom is increasingly under threat due to tighter restrictions being imposed by academic institutions and threats of intimidation and harassment. The 2023 update of the Academic Freedom Index by the V-Dem Institute notes that India is part of a group of 22 countries and territories out of 179 countries and territories around the world where academic institutions and researchers have significantly more freedom than a decade ago. Have experienced less freedom. The report is based on extensive research assessing the decline in academic freedom in India since 2013. The National Education Policy 2020 emphasizes principles such as creativity, critical thinking, adherence to constitutional values, appreciation of diversity and local contexts, positive environment for students and teachers and adequate investment in a strong public education system. Despite these principles, academic freedom, which is an important catalyst for knowledge advancement, has faced significant challenges within Indian educational institutions. This is worrying because academic freedom forms the basis of a thriving education system, which promotes intellectual development, critical thinking and the advancement of knowledge. Academic freedom empowers scholars, researchers, and teachers to explore new ideas, question traditional beliefs, and push the boundaries of knowledge. It is through such investigations that unprecedented discoveries emerge and new solutions to complex problems are developed. In a 2015 interview, Amartya Sen warned that "Governments must understand that winning Lok Sabha elections does not give you permission to curtail the autonomy of educational institutions…" A strong democracy thrives on informed citizens capable of critical thinking. Is. Academic freedom plays an important role in developing this capacity by allowing teachers to present different viewpoints and encouraging students to challenge assumptions. Furthermore, academic freedom facilitates interdisciplinary collaboration, allowing experts from different fields to collaborate to solve multidisciplinary challenges. Nations that uphold academic freedom attract international scholars and researchers seeking an environment conducive to their intellectual development. By encouraging openness and innovation, India can attract global talent to its universities and research institutes. But incidents like Sangwan's dismissal and the resignation of professors at Ashoka University reveal the tensions over academic freedom in India. The freedom for scholars to express their views and offer constructive criticism without fear of retribution appears to be under threat.

How will schools become institutions?

In the concept of best school, Himachal wants to convey the message of quality in its level of education. Although the ideals of bringing quality in government services are maintained, but the picture of implementation is not taken into account, as a result the same situation returns. Obviously, many schools have opened here, but not institutions. Buildings were built, but not to shelter education. The children studied, but did not care about studying. If education is ashamed of its standards, then this incurable disease will again be put on a ventilator. The irony is that education will never die, but it will also never become healthy, as long as there is some chance to take it to the top. Now the new discovery is to put the tag of excellence on the skin of any one of the innumerable schools that have opened within a radius of five to ten kilometers. Here the standards of education will be set afresh i.e. no stone will be left unturned in the appointment of teachers so that the number of students getting admission increases. This should be an exercise, but there should also be concern as to why the general public has to depend on private sector schools. It can be assumed that the marketing of private schools has become such that parents are also sending their children there considering it as a status symbol, but due to the level of efforts and different curriculum of school education, some schools are becoming tops. Needless to say, while on one hand urban government schools have made themselves irrelevant, on the other hand, private schools which are running either under ICSE or CBSE curriculum are being preferred. In such a situation, why not Himachal Pradesh create new options for quality in education by running its selected urban schools under the CBSE curriculum. If the curriculum of Himachal Pradesh School Education Board is not able to attract an aspirant in front of CBSE, then it will also have to make some changes. Schools of excellence will be proven when the search for career is fulfilled in the list of examination results. Unfortunately, in the competition for careers, a section of students are becoming prosperous, who are dependent on the network developed between private schools and academies. On the other hand, government school education is limited to the declaration of 100% success results of the children by bringing the education to the examination system. There is no provision for career flight or alternative courses. If private schools are ahead in science and commerce careers, then government schools can go far ahead with the highest standards in Arts subjects. Along with this, the Himachal government should also think whether we are willing to increase the number of students by upgrading schools unnecessarily or are we adopting a successful model in terms of quality. If school education is to be strengthened then the number of matriculation schools should not be limited. Schools up to matriculation are also more practical because here students get courses to refine knowledge and strengthen linguistics as well as other aspects of personality development. Therefore, if a School of Excellence is to be established in a cluster of schools within a radius of five-ten kilometers, then only it will have to be up to Plus Two whereas within its periphery there should be schools only up to Class VIII or Class X. If the success model of School of Excellence is decided on the lines of Chandigarh, then it will make a lot of difference, otherwise the tune of 'quality' is very old in the education sector.

For the love of nature

Their being serious nature lovers plays an important role in the happiness of political heroes and heroines. They know that it is difficult for anyone to escape from the allurement of nature. Seeing the opportunity, he called upon the general society to participate in nature development. What could be better than getting assurance about the development of nature in a positive, democratic climate. When this happens, the natural elements also start feeling satisfied.

They feel that their good days have also come. It is important to take everyone along in development, hence during a survey the government asked intelligent people what are the five elements of nature. The administration was gratified that no one had been able to explain exactly what those elements were. The rulers called together a large gathering of people and proudly announced to enhance their knowledge that the important elements were sky, air, fire, water and earth. It was explained to the public, because the bond of development and nature is unbreakable, hence in the coming times, through development, we will establish public identity of these five elements so that no one can forget them.

Keep worshiping them as your idol, considering them an integral part of human life. The rulers and administrators, along with influential leaders, started working on ambitious plans. For many weeks, day and night, his brilliant statements were covered in the media world in which a smiling, colorful picture of his other colleagues was used. Through this picture, his very gentle, decent, simple, spiritual, social and political image was reflected. Was staying. The news was informing that on the call of enlightened rulers, based on love for nature, the nature worshiping administration has accepted the five elements of nature as essential elements of human life. The referred plan is being implemented after deep brainstorming by the team of experts so that common people can start loving nature more. They should know the importance of elements of nature.

May important parts of nature remain before the eyes of our children and young generations and may love for the environment continue to flourish. Through this medium, we get an opportunity to be proud not only at the national but also at the international level. The public felt very happy to know this. He was told that under the public scheme, five elements would be put in place in concrete form soon. Attractive, artistic, beautiful and durable sculptures of sky, air, fire, water and earth will be installed. Internationally renowned, country's renowned artists, designers and imagination experts will ensure the material, colour, shape and texture of these idols so that there is no shortage in the smooth and simple communication of the five elements. It is natural, necessary and certain that the size of these statues, which are going to be great, will be huge, just a glimpse of which will make the common man realize their importance deeply. Whoever heard about this huge plan became blessed again and again. It is a different matter that a few environment and nature lovers got angry. No one was bothered at all by his previous displeasure, this time too there was to be no difference.

आज शारदीय नवरात्र का पहला दिन, शुभ मुहूर्त में होगी कलश की स्थापना

मुरादाबाद-तैयारियों में जुटे मां के भक्त, बाजार में चुनरी, श्रृंगार सामग्री, नारियल, रोली, चंदन, धूप, अगरबत्ती, कपूर, फूलमाला की हो रही खरीदारी शारदीय नवरात्रि का रविवार से शुरू होगी। शुभ मुहूर्त में घरों व मंदिरों में कलश स्थापित कर मां दुर्गा के नौ रूपों की विधिविधान से भक्त पूजा अर्चना करेंगे। नवरात्रि में माता रानी के नौ रूपों के पूजन के लिए शनिवार को बाजार में भीड़ रही। मां के भक्त, बाजार में चुनरी, श्रृंगार सामग्री, नारियल, रोली, चंदन, धूप, अगरबत्ती, कपूर, फूलमाला की खरीदारी में जुटे हैं। वहीं कलश और मिट्टी के दीये लेने के लिए कुम्हार के दुकान पर भी भीड़ है। बाजार में 20 रूपये से लेकर 200-300 रुपये तक की चुनरी मिल रही है। दुकानदार भी नवरात्रि को देखते हुए सुबह से दुकान सजाकर बैठे हैं। मां दुर्गा की फोटो, प्रतिमा, चुनरी, बिंदी, रोली, माला, फलफूल, नारियल खरीदी जा रही है।

रविवार को शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना होगी। ज्योतिषाचार्य पंडित केदार मुरारी ने बताया कि घटस्थापना करने का समय 15 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से 10-45 तक और उसके बाद 11=48 बजे से 12=56 बजे तक रहेगा। उनका कहना है कि हिंदू पंचांग के अनुसार यह शुभ अभिजीत मुहूर्त है, जिस दौरान घट स्थापना करना सबसे शुभ माना जाता है। शारदीय नवरात्रि के साथ ही खरीदारी और निवेश के लिए भी शुभ समय की शुरुआत हो चुती है. नवरात्रि में 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर के दौरान ऐसे मुहूर्त बन रहे हैं, जिसमें प्रॉपर्टी, ज्वैलरी, गाड़ियों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान तक खरीदना शुभ होगा। ज्योतिषाचार्य के अनुसार इस बार नवरात्रि की शुरुआत रविवार को होने से देवी हाथी पर सवार होकर आएंगीं। देवी दुर्गा का आगमन कष्टों से मुक्ति का संकेत दे रहा है। ये सुख-समृद्धि का प्रतीक है। हाथी का संबंध विघ्नहर्ता गणेश और देवी महालक्ष्मी से भी है। इस कारण इन दिनों की गई खरीदारी शुभ होगी

और निवेश लंबे समय तक फायदा देने वाला रहेगा। 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक तिथि, वार और नक्षत्रों से मिलकर सर्वार्थसिद्धि, राजयोग, त्रिपुष्कर, अमृतसिद्धि और रवियोग बन रहे हैं। इन शुभ संयोगों से सुख और समृद्धि बढ़ेगी।

मुरादाबाद में रामलीला मंच पर राम-लक्ष्मण के पात्रों में मैच का उत्साह, बोले- जीतेगी टीम इंडिया

मुरादाबाद-भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर सभी में उत्साह बना हुआ है। मुरादाबाद में रामलीला के मंच पर राम-लक्ष्मण समेत अन्य कलाकारों ने हाथ में तिरंगा लेकर भारत के जीत की कामना की। रावण के पात्र ने भारत के जय के नारे लगाए। इससे वहां मौजूद लोगों में भारी उमंग और उत्साह देखा गया मुरादाबाद की लाजपत नगर रामलीला के मंच पर विश्व कप के भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का उत्साह अलग तरीके से देखने को मिला। राम-लक्ष्मण व अन्य पात्र हाथ में तिरंगा झंडा लेकर भारत के जीत की कामना कर रहे थे। लाजपत नगर रामलीला मैदान में भारत की जीत को तय मानते हुए आतिशबाजी के विशेष इंतजाम भी किए गए हैं। रामलीला कमेटी के पदाधिकारी श्याम कृष्ण रस्तोगी का कहना है कि वर्षों बाद बड़े मंच पर भारत व पाकिस्तान की रोमांचक भिड़त हो रही है। इसे लेकर सभी में उत्साह है। उधर अमरोहा में टीम इंडिया के प्रति समर्थन और उत्साह दिखाने के लिए एक चित्रकार ने कोयले से दोनों टीमों के कप्तानों का दीवार पर चित्र तैयार किया है। जुहैब अली ने दीवार पर 15 फीट का चित्र बनाने के बाद कहा कि उम्मीद है कि यह मैच भारत जरूर जीतेगा। लोगों के प्यार को प्रदर्शित करने के लिए दीवार पर लकड़ी के कोयले से चित्र तैयार किया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि भारत मैच जीत जाए। एमपीएस स्कूल में मैच का लाइव प्रसारण- भारत-पाक मैच का लाइव प्रसारण एमपीएस स्कूल में किया जा रहा है। स्कूल के मैदान में क्रिकेट एके डमी संचालक मिर्जा दानिश आलम का कहना है कि वह बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाकर मैच का प्रसारण खिलाड़ियों को दिखाएंगे।

इसमें शहर के गणमान्य लोगों व अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। भारतीय टीम मैच जीतेगी तो आतिशबाजी भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि 100 से ज्यादा बच्चे मैच को लाइव देखेंगे। बाजार में दिख रहा कोहली के बल्ले का कमाल- क्रिकेट विश्वकप को लेकर शहर का बाजार भी तैयार हो चुका है। इस बार कोहली का एमआरएफ स्टिकर वाला बल्ला खूब धमाल मचा रहा है। भारतीय टीम अब तक दो मैच जीती है। दोनों में कोहली ने अच्छी पारी खेली है। कोहली की बल्लेबाजी के बाद लोगों की दीवानगी का असर बाजार में भी देखने को मिल रहा है। एमआरएफ के स्टिकर वाले बैट सबसे ज्यादा बिक रहे हैं। मखीजा स्पोर्ट्स के नाम से खेल सामग्री की दुकान चलाने वाले मोहम्मद तारिक ने बताया कि उनकी दुकान पर एमआरएफ स्टिकर वाला सिर्फ एक बैट बचा है। तारिक का कहना है कि 2011 वर्ल्डकप में जो खुमारी सचिन की बल्लेबाजी के लिए देखी जाती थी, अब कोहली को लेकर लोगों में वही प्रेम और जुनून है। यही कारण है कि उन्होंने एमआरएफ के और बैट मंगाने के लिए मेरठ ऑर्डर भेज दिया है। इसी तरह लेदर की फोर पीस बॉल भी उनके पास खत्म हो चुकी है।

वहीं बुध बाजार स्थित एटलांटिक स्पोर्ट्स के विक्रेता की मानें तो बल्ले जरूर बिक रहे हैं लेकिन विश्वकप का लोगो कहीं देखने को नहीं मिल रहा। उन्होंने बताया कि साधारण जर्सी तो लोग खरीद रहे हैं लेकिन भारतीय टीम की ब्लू जर्सी सिर्फ ऑर्डर पर तैयार की जा रहीं हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक रिश्तेदार के लिए उन्होंने 12 जर्सी तैयार करवाई हैं। इसी तरह ऑनलाइन बुक किए गए ऑर्डर पंच करने वाले स्टाफ का कहना है कि संभल तक के क्रिकेट सामग्री की बुकिंग कर रहे हैं। संभल के लड़कों ने हाल ही में कई बैट और जर्सी मंगाई हैं। इन दिनों लोग ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर अच्छे ऑफर चुन रहे हैं।

डॉक्टर रईस आगा ने मुख्य चिकित्साधिकारी को दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच

उत्तर प्रदेश जनपद मुरादाबाद के झोला छाप डाक्टरों व बगैर किसी लाइसेंस के चल रहे गली मौहल्लों में मेडिकल स्टोरों पर कब कार्यवाही की जाएगी जाहिद नगर व रहमत नगर गली नं0 8 में लगभ 20 से ज्यादा मेडिकल स्टोर हैं इन मेडिकल स्टोरों का लाइसेंस चेक किया जाए और यह भी चेक करें कि यह लोग हर गंभीर बीमारी का इलाज कैसे कर रहे हैं क्याइलाज करने के लिये इनके पास कोई डिग्री है, डेंगू जैसी बीमारी का इलाज किया जा रहा है और मोटे पैसे गरीब मरीजों से वसूले जा रहे हैं कुछ के यहां एडमिट करने की भी सुविधा बना रखी है स्वास्थ्य विभाग इन चीजों से क्यों अनजान है मेडिकल स्टोरों व झोला छाप डाकटरों पर सुअस्त विभाग किस कारण मेहरबान है। करूला क्षेत्र में पैथलैब कॉफी संख्या में हैंजो 20 मिनट में रिपोर्ट तैयार करके मोटी रकम वसूल रहे हैं तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता है

नशे में धुत चिकित्सक ने कार से ठेले वाले को मारी टक्कर, घायल

मुरादाबाद-सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र में गुरुवार रात कार चालक चिकित्सक ने ठेले में टक्कर मार दी। इसमें ठेला लगाने वाला वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका उपचार कांठ रोड स्थित निजी अस्पताल में चल रहा है। घायल के परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक ने नशे में टक्कर मारी है। उन्होंने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मधुबनी निवासी संतोष शर्मा (65) मोहल्ला में चाय-पकौड़ी का ठेला लगाते हैं। परिवार में पत्नी लता शर्मा और एक बेटा संदीप शर्मा है। रिश्तेदार मंजू शर्मा ने बताया कि गुरुवार रात करीब 10 बजे वह ठेला लेकर घर लौट रहे थे। तभी नशे में धुत कांठ रोड निजी अस्पताल के चिकित्सक ने ठेले में कार से टक्कर मार दी। जिससे संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में चिकित्सक उन्हें अपने निजी अस्पताल लेकर आ गया। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक घायल का सही से इलाज नहीं कर रहे हैं। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा है। परिजनों को घायल से नहीं मिलने दे रहे हैं। इस संबंध में सिविल लाइन्स थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर जांच चल रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

दुकान में बहाने से बुलाकर बच्चे से गंदी हरकत, केस दर्ज होने पर खा लिया जहर, मौत के बाद हंगामा

मुरादाबाद-एसएसपी ने बताया कि दुष्कर्म करने के आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उस पर पहले भी मुकदमा दर्ज है। दूसरे पक्ष के आरोपों की जांच की जा रही है। आठ साल के बालक से दुष्कर्म के आरोप में केस दर्ज होने के बाद जहर खाने वाले 45 वर्षीय दुकानदार आदिल रशीद की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बालक की मां पर झूठा केस दर्ज कराने का आरोप लगाया है। उन्होंने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बिलारी थाने में दस अक्तूबर एक महिला ने किराना दुकानदार आदिल रशीद के खिलाफ केस दर्ज कराया था। जिसमें महिला ने बताया था कि उसका आठ वर्षीय समय राशन की दुकान से लौट रहा था। इसी दौरान आरोपी दुकानदार ने उसके बेटे को रोक लिया। आरोप लगाया था कि वह बालक को दुकान के अंदर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। मुकदमा दर्ज होने से आहत आदिल ने 11 अक्तूबर की दोपहर जहरीला पदार्थ खा लिया था। आदिल और उसके परिजनों का यह भी कहना था कि विरोधियों ने साजिश के तहत उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जहर खाने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई थी। इसके बाद परिजन सीएचसी बिलारी ले गए, यहां से उसे मुरादाबाद अस्पताल भेज दिया गया था। शुक्रवार दोपहर अस्पताल में आदिल की मौत हो गई। मृतक आदिल रशीद की पत्नी अन्य परिजनों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंची और एसएसपी को प्रार्थना पत्र दिया। जिसमें महिला ने बताया कि उसके पति के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया था। केस दर्ज करने वाली महिला और उसके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। आदिल रशीद की पत्नी ने बताया कि बालक की मां और बिलारी के एक हल्का दरोगा पर प्रताड़ित का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि उत्पीड़न से तंग आकर पति ने आत्महत्या की है। उधर, पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया है। आदिल रशीद के खिलाफ बालक से दुष्कर्म के मामले में केस दर्ज किया गया है। इससे पहले भी उसके खिलाफ दुष्कर्म के मामले में केस दर्ज हुआ था। परिवार की ओर से प्रार्थना पत्र मिला है। जिसमें झूठा केस दर्ज कराने का आरोप लगाया है। इस मामले की जांच कराने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। - हेमराज मीना, एसएसपी आरोपी उधारी वापस मांगने पर दर्ज कराया केस आदिल रशीद की पत्नी शादाब परवीन का आरोप है कि मुकदमा लिखवाने वाली महिला पर उसके पति के तीन हजार रुपये उधार थे। आठ अक्तूबर को पुनः संबंधित महिला उसके पति की दुकान पर आई और पांच हजार रुपये का किराना सामान पैक करा लिया था। वह फिर से उधार करने लगी थी। जब उसके पति ने उधार सामान देने से मना किया तो उसने गाली गलौच की और देख लेने की धमकी देते हुए चली गई थी। शादाब परवीन का यह भी आरोप है कि 11 अक्तूबर की दोपहर उसके पति की दुकान पर पहुंचकर महिला ने मुकदमा वापस लेने के बदले छह लाख रुपये लेने की मांग की थी। कस्बा चौकी पुलिस ने गलत तरीके से उसके पति के भांजे को दुकान से उठाकर थाने ले गई थी और प्रताड़ित किया।

कोर्ट की तल्ख टिप्पणी...निजी लाभ के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला, नरमी नहीं बरत सकते

मुरादाबाद-रामपुर कारतूस कांड के सभी दोषियों को दस साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि दोषियों पर कानून-व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी थी, लेकिन उन्होंने सिर्फ और सिर्फ लाभ कमाने के मकसद से संगठित अपराध को अंजाम दिया। मामले में मुख्य आरोपी दरोगा यशोदानंदन की मौत हो चुकी है। रामपुर की विशेष अदालत ने नक्सलियों को कारतूस बेचने वाले बीस जवानों समेत 24 दोषियों को 10-10 साल कैद की सजा सुनाई। सभी दोषियों पर दस-दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इनमें 16 पुलिसकर्मी, पीएसी के दो जवान, सीआरपीएफ के दो हवलदार और चार आम नागरिक हैं। जबकि, मुख्य आरोपी पीएसी के रिटायर्ड दरोगा यशोदानंदन की मौत हो चुकी है। विशेष जज विजय कुमार द्वितीय की अदालत ने शुक्रवार को दोषियों को सजा सुनाई।इस दौरान सभी दोषी कोर्ट में मौजूद रहे। सीआरपीएफ के दोनों हवलदारों विनोद व विनेश को आर्म्स एक्ट में सात साल की कैद और 10-10 हजार रुपये के अतिरिक्त जुर्माने की सजा सुनाई गई। इनकी सजाएं एक साथ चलेंगी। सजा सुनाते वक्त कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, दोषियों ने निजी लाभ के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा तक को खतरे में डाल दिया। इस सांठगांठ में चार नागरिक भी शामिल हैं।दोषियों पर कानून-व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी थी, लेकिन उन्होंने सिर्फ और सिर्फ लाभ कमाने के मकसद से संगठित अपराध को अंजाम दिया। इनका नेटवर्क यूपी के विभिन्न जिलों में फैला था। दोषी सैन्यबल से थे, इसलिए नरमी के हकदार नहीं हैं। उन्हें कड़ी सजा मिलनी ही चाहिए। सजा सुनाए जाने के बाद सभी दोषियों को वापस जेल भेज दिया गया। बृहस्पतिवार को पुलिस, पीएसी व सीआरपीएफ के 20 कर्मियों के साथ चार अन्य को दोषी करार दिया गया था। अब भी सेवा में हैं 14 पुलिसकर्मी कोर्ट ने जिन पुलिसकर्मियों को सजा सुनाई है, उनमें से 14 अभी नौकरी में हैं। सजायाफ्ता 24 लोगों में से सीआरपीएफ के दोनों हवलदार व चार पुलिस कर्मी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसके अलावा, इसमें चार नागरिक भी हैं, जो कारतूस की आपूर्ति करने का काम करते थे।एसटीएफ के अफसरों ने ग्राहक बनकर दबोचा कारतूस कांड में सजा पाने वाले नाथीराम सैनी को पकड़ने के लिए एसटीएफ अफसरों ने ग्राहक बनकर जाल बिछाया था। पुलिस अकादमी के आर्मोरर नाथीराम को जिस सौदागर को कारतूसों की सप्लाई देनी थी, एसटीएफ ने उसे रामपुर में दबोच लिया था। उस सौदागर ने अफसरों को कोड नंबर बताया था। जब अफसरों ने वही कोड नंबर नाथीराम को बताया, तो उसने 400 कारतूसों से भरा बैग उन्हें थमा दिया था।13 साल बाद फैसला...सजा सुनते ही फफक पड़े वर्दीधारी वर्दीधारियों ने किस तरह आयुध भंडार के साथ ही मालखानों में सेंधमारी कर कारतूस और हथियारों का घोटाला किया, इसकी पूरी कहानी 85 पेज के कोर्ट के फैसले में दी गई है। 13 साल पुराने इस केस में नौ गवाह बनाए गए थे। कोर्ट ने जैसे ही सजा का एलान किया, सीआरपीएफ के रिटायर्ड हवलदार समेत ज्यादातर दोषी फफक पड़े।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नदी किनारे किसी भी दशा में शव दाह ना हो, नदी के किनारे वाली ग्राम पंचायतों में अन्त्येष्टि स्थल बनाया जाना सुनिश्चित करें – जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने नगर निगम सहित नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायत में पॉल्यूशन एक्शन प्लान अपलोड किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि एनजीटी की गाइडलाइन के अनुसार तत्काल एक्शन प्लान अपलोड किया जाए। उन्होंने जनपद में बायोमेडिकल वेस्ट के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की तथा कौन-कौन सी एजेंसी बायो मेडिकल वेस्ट कलेक्ट करती हैं की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने ताकीद करते हुए समस्त अधिशासी अधिकारियों सी कहां की किसी भी दशा में नदियों में नालों का गंदा पानी न जाए, इसे गंभीरता से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बैठक में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट करहेंतर्गत समस्त

अधिशासी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिए जाने का सुझाव दिया तथा विभिन्न विभागों से आंकड़े उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने जिला गंगा समिति की मासिक समीक्षा करते हुए कहा कि जनपद में नदी किनारे कोई ऐसा गांव तो नहीं है जहां पर्यावरण दूषित हो रहा है। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया की प्रमुख नदियों के किनारे बसे गांव मे नदी किनारे शवदाह ना हो इसे कड़ाई से सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ऐसी समस्त ग्राम पंचायत में अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने नदी के घाटों के सौंदर्यीकरण हेतु प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाए जाने के भी निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में निर्देशित किया कि नगर पालिका, नगर पंचायत एवं नगर निगम में नालों का गंदा पानी किसी भी दशा में नदियों में न जाए। उन्हें टैप करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद, प्रभागीय वन अधिकारी एम पी गौतम, डीडीओ सुनील कुमार, उपायुक्त मनरेगा शिखर श्रीवास्तव, डीपीआरओ जे आर गौतम, डीएसओ उमेश चंद सहित उच्च शिक्षा, बेसिक शिक्षा, विद्युत विभाग, चिकित्सा विभाग, सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं को प्रोत्साहित करने संघर्ष महिला संगठन कार्यालय पहुंची डीएसपी धर्मपत्नी सारिका सक्सेना

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी-कल्चर डांडिया नाइट्स में अब कुछ दिन ही शेष हैं, लेकिन आयोजन से ठीक पहले झांसी के आसपास के क्षेत्र में कार्यक्रम को लेकर लोगों में उत्सुकता दिन - प्रतिदिन बढ़ती जा रही है क्लासेस में महिलाओं को प्रेरित एवं उत्सवर्धन करने के लिए प्रतिदिन मात्र शक्तियों का संघर्ष महिला संगठन कार्यालय पर आवागमन हो रहा है, इसी क्रम में आज महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अतिथि सारिका सक्सेना धर्मपत्नी डिप्टी एसपी (मुरादाबाद) संघर्ष महिला संगठन कार्यालय पहुंची। संघर्ष महिला संगठन की अध्यक्ष सपना संदीप सरावगी ने अतिथि सारिका सक्सेना को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। स्वागत पश्चात डांडिया क्लासेस में सारिका सक्सेना ने डांडिया क्लासेस में उपस्थित महिलाओं से परिचय प्राप्त किया। कल्चरल डांडिया नाइट्स को लेकर तैयारीयों का हाल जाना। अंत में महिलाओं को कल्चरल डांडिया नाइट्स के प्रति प्रोत्साहित एवं उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सारिका सक्सेना ने कहा कि माँ दुर्गा इस सम्पूर्ण संसार को जन्म देने वाली आदि शक्ति का ही अवतार है 7 हिन्दू धर्म में आदि शक्ति की तुलना उस परमब्रह्म से की गयी है जो इस संसार के पालनकर्ता है 7 हिन्दू धर्म में सभी देवों की तुलना में माँ दुर्गा को शीर्ष का दर्जा दिया हुआ

है, हिंदू मान्यतानुसार दुर्गा मां को खुश करने के लिए हम डांडिया व गर्भा करते हैं, वास्तविकता में डांडिया लोगों के जीवन में सुख समृद्धि लाता है, साथ ही साथ डांडिया एक अच्छा व्यायाम भी है इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोनिया सिंह, उपाध्यक्ष रचना कुदरिया, महासचिव शैफाली अग्रवाल, सचिव सिमरित जज्ञासी, प्रोग्राम डायरेक्टर कल्पना पटेरिया, डायस मेंबर नंदिनी गौर, सीमा वर्मा, भारती खंडेलवाल, प्रिया सेठ, अंजलि अग्रवाल, अर्जुनी अग्रवाल, कशिश अग्रवाल, अमृता बंसल, दिव्या भोगल, प्रेरणा सहवानी, डॉ0 पारूल गुप्ता, प्रियंका नाछेला, लवली गुप्ता, निधि अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, प्रेरणा हजेला, रक्षा शर्मा, कल्पना पटेरिया, डॉ0 मोनिका गोस्वामी, चांदनी हयारन, अंजलि त्रिपाठी, वर्षा त्रिपाठी, शिल्पी चावला, अंकिताअग्रवाल, छवि तिवारी, आकांक्षा अग्रवाल, सिल्की अग्रवाल, ओमनी राय, कनन सहवानी, नंदिनी अग्रवाल, नेहा तिवारी, राधा अग्रवाल, ममता नीखरा, जया पमनानी, सैफाली सलूजा, प्रियंका पारीक्षा, अकांछा अग्रवाल, पूनम गोविंदानी, पूजा खुराना, अंजू सोनी, दीपा अग्रवाल, वर्षा त्रिपाठी, ज्योति नगरिया, अंजलि नगरिया, कल्पना नागवानी, डोली श्रीवास्तव, सुनीता अग्रवाल, मोनिका गोयल, नम्रता गुप्ता, दीपाली अग्रवाल, शैलजा अग्रवाल, शालू गर्ग, मधु गोयल, निशा श्रीवास्तव, पूजा श्रीवास्तव, मोना राय, भावना सोनी, नेहा, दीपाली अग्रवाल, डॉ0 फैरी, हिना, जसप्रीत चावला, कल्पना नागवानी, कविता महेश्वरी, नीति अग्रवाल, नीति, नेहा विजयवर्गिया, निकिता मित्तल, निशा श्रीवास्तव, प्रीति अग्रवाल, प्राची गुप्ता, प्रीति बाजपेई, रितिका, रूमा बजाज, संचिता अग्रवाल, शैफाली अग्रवाल, शैलजा, शालिनी अग्रवाल, शालू गर्ग, शैफाली, शिल्पा मिश्रा, शिविन गोयल, स्मृति चड्ढा, स्वप्निल अग्रवाल, स्वाति बहेल, बन्नी, मनीषा अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, निधि शर्मा, प्रियंका गर्ग, रूपाली गर्ग, तमन्ना राय, पूजा रायकवार, शैफाली आदि उपस्थित रहीं।

नवरात्र आज से शुरू, मां काली देवी के पास गंदगी का अंबार

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली। शहर के बीचों बीच कालीबाड़ी स्थित मां काली देवी मंदिर के पास का है यह नजारा, जबकि नवरात्र कल से शुरू होने वाले हैं और साफ सफाई के नाम पर नगर निगम केवल दिखावा करते हुए। आज से नवरात्र की शुरुआत हो रही है, लेकिन अब तक देवी मंदिरों के आसपास सफाई नहीं हो सकी है। मंदिरों के आसपास कूड़े के ढेर लगे हैं। गंदगी बजबजा रही है। इससे पूजा के लिए मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को भारी मुसीबत झेलनी पड़ेगी। अगर नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी नहीं चेते तो श्रद्धालुओं को गंदगी के अंबार से होकर मां के दर्शन को जाना पड़ेगा। बता दें कि पूरे नवरात्रों भर काली मां के मंदिर में मेले जैसा माहौल रहता है, हर दिन इस मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती हैं, वहीं कूड़े का ढेर नवरात्र से पहले निगम अधिकारियों व कर्मचारियों की गंभीरता को मुंह चिढ़ा रहा है।

नवरात्रि के अवसर पर डायवर्जन लागू

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- दिनांक 15.10.2023 से दिनांक 27.10 2023 (समय प्रातः 08:00 बजे से रात्रि 22:00 बजे तक) तक कालीबाडी क्षेत्र में माँ काली देवी का प्रचीन मन्दिर पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं के एकत्रित होने के दृष्टिगत कालीबाडी मन्दिर की तरफ, श्यामगंज तिराहा व बरेली कॉलेज चौराहा की तरफ से कोई भी भारी वाहन, रोडवेज बस, ऑटो रिक्शा व ई-रिक्शा नहीं जायेंगे। उक्त वाहन श्यामगंज चौराहा व बरेली कालेज, चौराहा से होकर अपने गंतव्य की ओर जायेंगे। कालीबाड़ी मन्दिर के दर्शनार्थियों के लिए निजी वाहन (04 पहिया) ले जाने पर उक्त प्रतिबन्ध लागू नहीं होगा। कालीबाड़ी मन्दिर पर जाने वाले श्रद्धालु आपने निजी वाहन (04 पहिया) बरेली कालेज के अन्दर पार्क करेंगे तथा बुजुर्ग एवं बीमार श्रद्धालु अपने निजी वाहन (04 पहिया) कालीबाड़ी मंदिर तक ले जा सकेंगे।

आयुष्मान जागरूकता रैली एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- आयुष्मान भवः सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत प्रगति रथ संस्था एवं कमला मॉर्डन नर्सिंग इस्टीट्यूट के शिक्षकों एंव छात्र/छात्राओं के द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन रेलवे बर्कशॉप (गडियाफाटक) से प्रेमनगर थाना तक किया गया. जिसमे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन थाना प्रेम नगर के सामने स्थित अग्रवाल पैलेस में किया गया। जहॉ समस्त प्रकार की बीमारियों के साथ साथ आयुष्मान कार्ड एंव अंगदान के बारे मे भी जागरूक किया गया। हृदय रोगों के साथ, बीपी, शुगर, ईसीजी, आदि परीक्षण भी निशुल्क किए गए। जिसमें प्रगति रथ से डॉ संध्या चौहान

(सचिव), विजय चौहान (संस्थापक), डां प्रकाश कुमार (वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ), डां रजत मिसुरया (चैयरमेन कमला मॉर्डन नर्सिंग इस्टीट्यूट), डा. अर्चना मिसुरया (महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज झाँसी) तथा डा. मातादीन राजपाली (जनरल फीजिशियन कमला हॉस्पिटल झांसी) ने स्वास्थ्य शिविर में अपना बहुमूल्य समय देकर लोगो को स्वास्थ्य एंव सरकारी आयुष्मान योजना के बारे में बताया। आयुष्मान भवः सेवा पखवाडे एंव स्वास्थ्य शिविर में कमला मॉर्डन नर्सिंग इंस्टीट्यूट के प्राचार्य डा. रोविन जोसेफ, उपप्राचार्य स्वाति न्यूटन, सीनियर ट्यूटर दशरथ सिंह, निकिता दास एंव समस्त शिक्षिक शिक्षिकायें एंव छात्र/छात्रायें तथा प्रगति रथ से तेजेन्द्र चौहान, जरीना खातून, सुमन रायक्कार, कालीचरण वर्मा, नगरा उपस्वास्थ्य केन्द्र से आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये आशाये एवं जितेन्द्र भी उपस्थित रहे।

डाक्टर मेधावी अग्रवाल के नेतृत्व निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रिठौरा में शनिवार को डाक्टर मेधावी अग्रवाल के नेतृत्व निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्त्री एवं बाल रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, दन्त, नेत्र रोग विशेषज्ञ डाक्टरों की विशेष टीम ने 83मरीजों की डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया आदि की निशुल्क जांचें की गईं। जिनमें बुखार के रोगियों की संख्या ज्यादा रही सभी को दवाएं वितरित की गईं इस मौके पर डाक्टर महेश कुमार, डॉक्टर शुभप्रभात मिश्रा, डॉक्टर अमित गुप्ता, डॉक्टर नाव्या सिंह, डॉक्टर प्रांजल सिंह, डॉक्टर नीरज संगवाल, डॉक्टर सारिक, डॉक्टर ज़ेहरा, डॉक्टर चेतन, डॉक्टर सिमरन, डॉक्टर प्रमोद भाटी, डॉक्टर आकाश चौधरी, डॉक्टर अमित अलवीरो, डॉक्टर काजल, डॉक्टर जैनब बी, डॉक्टर नोशावा बी एवं कासिम अली, पूजा, अरमान, अनिल, रामादुर, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

गढ़ी चौकी क्षेत्र में 10 वर्षीय छात्र के साथ हुआ सामूहिक बलात्कार

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

विद्यालय से घर लौट रही 10 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म का मामला बीते शुक्रवार का था मामला दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी में एक को पुलिस ने किया गिरफ्तार पुलिस चौकी में छात्रा के परिजनों का हंगामा. पुलिस से आरोपी को अपने कस्टडी में लेने की कोशिश पुलिस के गाड़ी में हुई तोड़ फोड़, चौकी गढ़ी में पुलिस से छीना झपटी कर घुसने का प्रयास आरोपियों को बाहर निकालने का प्रयास मौके पर कई थानों के पुलिस बल मौजूद,अभी भी परिजन थाने को घेरकर आरोपी के बाहर निकलने का कर रहे इंतजार कर रही है वही त्योंथर एस डी ओ पी उदित मिश्रा,एवं थाना जनेह के थाना प्रभारी शैल यादव के द्वारा परिजनों को समझाइश दी जा रही है परंतु परिजनों के द्वारा आरोपी को अपने कस्टडी में लेने की बात की जा रही है वहीं एसडीओपी उदित मिश्रा के द्वारा आश्वासन दिया जा रहा है कि आरोपी के ऊपर उचित कार्यवाही की जाएगी

या मैं आप लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि आप लोगों के साथ गलत नहीं होने दूंगा मैं हर संभव प्रयास करूंगा जिसमें एक आरोपी को पुलिस कस्टडी में ले लिया गया है वहीं आरोपी फरार है जिसे पुलिस ढूंढ रही है और उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी परंतु वहां परिजनों का हंगामा बंद नहीं हो

रहा है जहां पर पुलिस के द्वारा हवाई फायर किया गया फिर भी वहां की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है क्षेत्र के लोगों का भीड़ जमाव होता जा रहा है एसडीओपी उदित मिश्रा एवं थाना प्रभारी शैली यादव परिजनों को समझाइए दे रहे हैं और न्याय दिलाने का आश्वासन दे रहे हैं फिर भी भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है विद्यालय से घर लौट रही छात्रा को बगल के कुछ गांव के लोगों ने जबरदस्ती गाड़ी में बैठकर कहानी जंगल में ले जाकर बलात्कार किया जिसकी जानकारी परिजनों को मिली कल देर रात करीबन 12:00 बजे गढ़ी चौकी में एफआईआर दर्ज हुआ फिर पुलिस आरोपी की खोज में जुट गई जिसमें एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है वही सुबह से परिजनों के द्वारा एवं ग्रामीणों के द्वारा गढ़ी चौकी का घेराव किया गया पुलिस के गाड़ी से तोड़फोड़ की गई परिजनों का गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है वहीं एसडीओपी उदित मिश्रा समझाइए दे रहे हैं न्याय दिलाने का श्वसन दे रहे हैं देखते हैं कि इस मैटर में क्या मामा का बुलडोजर चलेगा आरोपियों के घर में या नहीं क्या आरोपियों को कड़ी से कड़ी का सजा दी जाएगी परिजनों को झूठा अश्वासन दिया जाता है या तो वक्त ही तय करेगा जबकि कई थानों की पुलिस बल आई है भीड़ थमने का नाम नहीं ले रही है त्योहार एसडीओपी उदित मिश्रा थाना जाने थाना प्रभारी शैल यादव परिजनों को आश्वासन देने में लगे हुए हैं कि आपके साथ गलत नहीं होगा आपको न्याय जरूर दिलाया जाएगा

मिशन शक्ति अभियान फेस 04 व शक्ति दीदी अभियान के तहत थाना टोड़ीफतेहपुर में किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी- मऊरानीपुर (झाँसी) मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी के दिशा निर्देश में थानाध्यक्ष टोड़ीफतेहपुर कौशल किशोर मिश्रा के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान फेस 04 व शक्ति दीदी अभियान के तहत थाना टोड़ीफतेहपुर के बीट महिला कांस्टेबल 1991पूनम सिंह व महिला कांस्टेबल सादना सिंह नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के तहत छक्की लाल गेड़ा विद्यालय टोड़ीफतेहपुर में महिलाओं एवं बच्चियों को एकत्रित कर उन्हें सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री उज्जवला योजना,

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना आदि के बारे में विभिन्न आकस्मिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 102, 108, 112, 1076, 1098, आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई उनकी समस्याओं को सुना गया एवं उनकी सुविधा हेतु पिंक कार्ड भी वितरित किए गए और योजनाओं के बारे में बताया गया। इस मौके पर उपनिरीक्षक मुकेश गौतम, विशेष पाल सिंह, अश्वनी, गोपाल, सौरभ कुशवाहा के साथ हमराही उपासना, शान्ति देवी आदि स्टाफ मौजूद रहा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

एक वर्ष तक कागजों में चलने वाली गाड़ी का परिवहन निगम करता रहा भुगतान

कार कागजों में कहीं, दौड़ कहीं और रही

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा। सीएमओ कार्यालय में अनुबंध पर महिंद्रा बोलेरो कार चल रही है जबकि कागजों में ये बोलेरो परिवहन निगम में दौड़ रही है। इस कार के बदले 30 हजार रुपये प्रतिमाह का भुगतान भी किया जा रहा है। इस बारे में जब जनसूचना अधिकार से मिली सूचना के बाद खुलासा चौकाने वाला आया है। इस सूचना के बाद निगम में हड़कंप मच गया। सीएमओ कार्यालय में चलती हुई कार का वीडियो भी वायरल हुआ। अब निगम के जिम्मेदार इसकी काट खोजने में लग गए हैं। जैथरा क्षेत्र के सुनील कुमार की ओर से रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक अलीगढ़ से जनसूचना अधिकार मांगा था। अलीगढ़ परिक्षेत्र के एआरएम के लिए अनुबंध पर ली गई गाड़ियों की जानकारी मांगी थी। पूछा गया था कि एआरएम कौन-कौन सी गाड़ी और किस नंबर की गाड़ियों का प्रयोग कर रहे हैं।

सुनील कुमार पांडेय भेजी गई सूचना में एआरएम राजेश यादव पर महिंद्रा बोलेरो यूपी 82एटी1571 गाड़ी बताई कि इस कार का अनुबंध है। यह गाड़ी एक अगस्त 2022 से 31 जुलाई 2025 तक निगम में अनुबंध है। इस बारे में डीएम से शिकायत की गई। शिकायत में बताया है

कि जिस गाड़ी में एआरएम चलने के लिए बता रहे हैं जबकि ये कार सीएमओ कार्यालय में चल रही है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। यह वीडियो देख निगम के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। करीब एक वर्ष से इस गाड़ी को चलाया हुआ बताया गया है। हमारी बोलेरो यूपी 82एटी1571 कभी भी रोडवेज में नहीं लगी न ही कभी उस विभाग में कोई टेंडर डाला। वहां कैसे दिखाई जा रही है इस बारे में हमें जानकारी नहीं है।- संतोष कुमार, बोलेरो गाडी मालिक

यह गाड़ी जैम पोर्टल से हायर की थी। सीएमओ कार्यालय में चलने का वीडियो जब हमारे पास आया तो हमने जुलाई में गाड़ी हटा दी गई है। इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को भी दे दी गई है। गाड़ी का 30 हजार रुपये महीने किराया जाता था।- राजेश यादव, एआरएम

व्यभिचारि शिक्षक का विरोध, हटाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- ब्लॉक अलीगंज ब्लाक क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय राजा का रामपुर में संबद्ध किए जाने की सूचना से छात्र-छात्राओं के अभिभावकों में रोष पनप गया। कंपोजिट विद्यालय पर पहुंचकर निलंबित शिक्षकों को सम्बद्ध करने को लेकर विरोध जताया। स्कूल शिक्षक भी दबी जुबान में इसका विरोध कर रहे हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट के शिक्षक राघवेंद्र उर्फ पिंटा को 9 अक्तूबर को 8वीं की छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने मामले में कार्रवाई करते हुए शिक्षक को निलंबित कर दिया। साथ ही उसका सम्बद्धीकरण कंपोजिट विद्यालय राजा का रामपुर से किया गया है। कंपोजिट विद्यालय राजा का रामपुर में निलंबित शिक्षक सम्बद्ध करने की सूचना अखबारों में पढ़ने के बाद अभिभावकों में रोष पनप गया। कंपोजिट विद्यालय राजा का रामपुर में लगभग 630 बच्चे पंजीकृत हैं, जिसमें छात्राओं की संख्या अधिक है। इस बात की जानकारी होते ही अभिभावक एकत्र होकर विद्यालय पहुंच गए। शिक्षक की करतूत सुनकर अविभावकों ने विरोध शुरू कर दिया। विद्यालय में ऐसे शिक्षक की जरूरत नहीं है। छात्राओं के साथ इस तरह की घिनोनी हरकत करता है। अभिभावकों ने इसकी शिकायत बीएसए से करने की बात कही है। मैने मामले को समाचार पत्रों में पढ़ा। बीएसए एटा ने आरोपी शिक्षक को राजा का रामपुर कंपोजिट पर क्यों भेजा। क्या अन्य जगह उनके पास नहीं थी। इस संबंध में बात कर कार्रवाई की जाएगी।- डॉ. जितेन्द्र सिंह, उप शिक्षा निदेशक/डायट प्राचार्य, एटा

*मेरे संज्ञान में मामला आया है। बीएसए एटा ने गलत तरीके से राजा का रामपुर विद्यालय में अटैच किया है। इसके बारे में सह स्वयं एक्शन लेंगे। फिलहाल शिक्षक अभी जेल में निरुद्ध है। मामले की जाँच पड़ताल आकर करेंगे। आखिर किस आधार पर उस अध्यापक को हटाया जाए।- कृपाशंकर वर्मा एडी बेसिक, मंडल अलीगढ़

सरकारी कार्य में बाधा, तीन हिरासत मे

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- मेड़बंदी को गई राजस्व टीम पर लोगों ने हमला कर दिया। पथराव कर भगा दिया। तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया है। राजस्व निरीक्षक अतर सिंह ने थाना मिरहची में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि गुरुवार को गांव धिरामई में मेड़बंदी कराने के लिए दो लेखपाल के साथ पहुंचे थे। वीरेंद्र निवासी धिरामई सहित तीन लोगों ने हमला कर पथराव शुरू कर दिया। पथराव होने से पीछे हटना पड़ा। आरोपियों ने सरकारी कार्य में बाधा डाली। एसएचओ सुभाष बाबू ने बताया कि महेंद्र और वीरेंद्र में

विवाद चल रहा था। एसडीएम ने महेंद्र के पक्ष में आदेश दिए थे। इसके बाद राजस्व निरीक्षक दो लेखपाल के साथ गांव पहुंचे। आरोपियों ने हमला कर दिया। मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी वीरेंद्र, इसकी पत्नी व बेटे सुबोध को पकड़कर कोर्ट में पेश किया। वहां से जेल भेजा गया है। जांच की जा रही है।

असमाजिक तत्वों व नशेड़ियों का लगा रहता है, जमावड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच

मोहल्ला बिछिया वार्ड क्र.41 मे स्थित श्री राम जानकी मंदिर(महरन मंदिर) मे असमाजिक तत्वों व नशेड़ियों का लगा रहता है, जमावड़ा। मंदिर बिछिया मे हैं ,पर थाना सिटी कोतवाली लगने के कारण ,कही की भी पुलिस की रूटीन गश्त कभी भी नहीं लगती है ,जिससे नशेड़ियों व लोफड़ो को किसी भी प्रकार का भय नहीं रहता है।आधी रात तक जमावड़ा व हो हल्ला मचा रहता है।मुहल्ले वासी किसी अनहोनी के भय से अपने अपने घर के अंदर ही रहे आते है। आपकी पत्रिका के माध्यम से अनुरोध है कि ,सिटी कोतवाली य बिछिया थाना कहीं की भी पुलिस बल की गश्त शाम होते ही ,एक बार लग जाया करें ,तो मंदिर में आने वाले असमाजिक तत्वों के बीच पुलिस का भय बना रहेगा ,और मुहल्ले का वातावरण ठीक होने लगेगा।

महूली पंचायत भवन हुआ जर्जर, दुर्घटना के आसार

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर जिले के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत महूली के पंचायत कार्यालय हुआ जर्जर गांवों और ग्रामीणों की दशा सुधारने के लिए सरकार हर ग्राम पंचायत में ऐसे भवनों का निर्माण करवाती है जहां ग्रामीण और पंचायत प्रतिनिधि गांवों की समस्या और विकास के मुद्दों पर सभा का आयोजन कर उसके निवारण की रूपरेखा बनायी जा सके,

मगर जिले में ऐसे भी ग्राम पंचायत भवन है जो अत्यंत जर्जर हो गया है. कुछ महीनों पूर्व पंचायत भवन का रंगरोगन कर इसे बाहर से चमका दिया गया था, लेकिन अंदर का हाल बहुत ही खराब है. छत का प्लास्टर टूटकर गिर रहा है और दरारें भी आय गई है, जिससे कभी भी

गंभीर हादसा हो सकता है. जर्जर ग्राम पंचायत महत- पंचायत भवन का हाल देखते हुये पंचायत प्रतिनिधि इसे बंद रखते है और कोई बैठक आयोजित नहीं की जाती है. पंचायत भवन की खतरनाक स्थिति को देखते हुए पंचायत प्रतिनिधि वेबस हैं. कई बार नया पंचायत भवन बनाने के लिए आवेदन भी दिये, नए भवन की स्वीकृति नहीं मिली और ना ही इस ओर कोई पहल की गई. आधार सेवा केन्द्र- ग्रामीणों के अनुसार हर साल जर्जर पंचायत भवन की मरम्मत के नाम से पैसे का आहरण किया जारहा हैं, लेकिन भवन की स्थिति में सुधार नहीं हो सका है. ग्रामीणों के अनुसार पहले गांव की बैठकें इसी भवन में आयोजित की जाती थी लेकिन रखरखाव के अभाव में भवन जर्जर होने के बाद इस ओर देखने वाला कोई नहीं है.

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय वरंगा का फीता काटकर किया लोकार्पण

नया विद्यालय पाकर छात्र-छात्राओं के खिले चेहरे

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - विकास खण्ड हरिहरपुररानी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कथरामाफी में संचालित प्राथमिक विद्यालय वरंगा का जिला खनिज फाउंडेशन न्यास, श्रावस्ती द्वारा जीर्णोद्धार कराया गया है। जिसका जिलाधिकारी कृतिका शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने फीता काटकर, शिलापट्ट का अनावरण कर एवं मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोकार्पण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं से उन्हें दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की भी जांच किया तथा छात्र-छात्राओं से गणित विषय से सम्बन्धित प्रश्न भी किये। जिलाधिकारी ने बच्चों से पहाड़ा भी सुना। छात्र-छात्राओं द्वारा पहाड़ा सही सुनाने पर उन्हें मिठाई खिलाई तथा उनकी पीठ थप-थपाकर उनका उत्साहवर्धन किया और आगे भी मन लगाकर पढ़ने हेतु प्रेरित भी किया। इस विद्यालय के

लोकार्पण होने से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय के लिए जमीन देने वाले किसान किशोरी लाल व ग्राम प्रधान मुन्नी यादव एवं बेहतर शिक्षा देने वाले प्रधानाध्यापक नरेश चन्द्र को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय स्कूलों को और बेहतर बनाने के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर एवं आधारभूत सुविधाएं दी जा रही है, लेकिन इन स्कूलों में बच्चों को अच्छी शिक्षा देना गुरूजनों का कर्तव्य है, इसलिए सभी गुरूजन बच्चों के उज्जवल भविष्य बनाने में अपनी महती भूमिका निभायें।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी रामप्यारे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण अनवारूल हक, खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रिया पाठक, खण्ड शिक्षा अधिकारी सुनीता वर्मा, खण्ड विकास अधिकारी जमुनहा एस0पी0 सिंह सहित विद्यालय के अध्यापकगण, छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे।

विधानसभा क्षेत्र भिनगा एवं श्रावस्ती हेतु मतदान केन्द्रों की सूची का हुआ प्रकाशन

क्यूँ न लिखूँ सच -लंकीन प्रसाद वर्मा

श्रावस्ती - जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी कृतिका शर्मा ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के मंशानुसार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1961 की धारा 25 के उपबन्धों के अनुसरण में निर्वाचन आयोग के पूर्व अनुमोदन से संसदीय/विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र हेतु मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। जिसमें प्रत्येक मतदान केन्द्रों एवं उनके मतदान क्षेत्रों अथवा मतदाता समूह की सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। उन्होने बताया कि 58-संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में समाविष्ट 289-भिनगा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत कुल 399 मतदेय स्थल एवं 233 मतदान केन्द्र बनाये गये है। वहीं 58-संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में समाविष्ट 290-श्रावस्ती विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत कुल 445 मतदेय स्थल एवं 267 मतदान केन्द्र बनाये गये है।

किसान नेता ईशाकपुर मे हुआ निधन

क्यूँ न लिखूँ सच
कारुलाल पाटीदार

मध्यप्रदेश -जिला मन्दसौर गाँव ईशाकपुर मे हुआ निधन किसान संघ के प्रिय नेता जो हमेशा किसानों के हित में बोलने वाले और किसानों के दुख की आवाज उठाने वाले सत्य पर चलनेवाले पंडित , वर्दी शंकर शर्मा जी का हुआ निधन, वर्दी शंकर जी की उम्र 80 साल में ही अपना दम तोड़ दिया, पुत्र श्यामलाल शर्मा और महेश शर्मा शोकाकुल परिवार दिवंगत

आत्मा को शांति प्रदान करे एवं अपनें श्री चरणों में जगह दे सभी ग्राम वासियों ने ईश्वर से प्रार्थना की है

सशस्त्र सीमा बल ने विशेष हथियारों की हैंडलिंग का कराया अभ्यास

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती निरुपेश कुमार,उप कमान्डेंट/कार्यवाहक कमांडेंट 62 वीं वाहिनी स.सी.ब. भिनगा के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय भिनगा में विशेष हथियारों की हैंडलिंग करने की अभ्यास कराया एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत जवानों की कराई गई परीक्षा इस कार्यशाला में निरुपेश कुमार,उप कमांडेंट, सोनू कुमार उप कमांडेंट एवं हथियारों के प्रशिक्षकों के द्वारा वाहिनी के समस्त जवानों को विशेष हथियारों के बारे में खोलना-जोड़ना, रख-रखाव, साफ़-सफाई एवं अन्य जानकारियां दी गई श्री निरुपेश कुमार,उप कमांडेंट, के द्वारा बताया गया कि ये कार्यशालाएं प्रत्येक हफ्ते कराई जाएगी

जिससे कि जवानों का आदतों में शामिल रहे एवं आत्मविश्वास बढ़ा रहे इसके बाद साइबर सिक्यूरिटी जागरूकता कार्यक्रम के तहत वाहिनी मुख्यालय में जवानों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी परीक्षा भी कराई गई जिसमे साइबर सुरक्षा से सम्बंधित निबंध एवं बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे गए इस दौरान निरीक्षक संतोष कुमार, अनित सिंह राठौड़, वाई.एम.किथान,जिया लाल उप निरीक्षक उत्तम चंद कोंडाल एवं समस्त वाहिनी बलकर्मी उपस्थित रहे

डीएम ने बैनामा मे स्टांम्प की किया जांच

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने तहसील जमुनहा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मनिहार तारा के ग्राम भरतापुर एवं चन्द्रखा बुजुर्ग में कृषि हेतु खरीदी गई भूमि जिसमें खेती हो रही है, के स्टाम्प का मिलान कर सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान दोनों बैनामों में स्टाम्प सही पाया गया।इस दौरान जिलाधिकारी ने स्टाम्प जाँच से सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसी भी दशा में स्टाम्प की चोरी कोई न करने पाये, इसके लिए समय-समय पर आकस्मिक जाँच कर मिलान अवश्य किया जाय। जांच के दौरान यदि स्टाम्प की कमी पायी जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी अमल में लायी जाय।

नंदग्राम थाना क्षेत्र में 10 तारीख में हुई युवक की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच
मीरा कौशिक

गाजियाबाद नंदग्राम- एक अभियुक्त किया गिरफ्तार एसपी रवि कुमार सिंह ने बताया सीसीटीवी और सर्विस लाख की मदद से पकड़े हुए आरोपी प्रशांत प्रजापति ने सूरज नाम के युवक की हत्या करके फरार हो गया पुलिस की पूछताछ ने बताया दोनों ने एक साथ शराब की और ज्यादा नशा करने के बाद मोबाइल फोन के लिए हुई लड़ाई और बाद में उसकी हत्या करके मोबाइल फोन लेकर भाग गया

फतेहगंज पश्चिमी मेले का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी ट्ठ कस्बे में आज रामलीला मैदान में मेला कमेटी के द्वारा मेले का शुभारंभ किया गया। रामलीला मैदान में प्रथम दिन मेला कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता उर्फ अन्नू लाला ने फीता काट कर शुभारंभ कराया उसके बाद पंडित सूर्य प्रकाश पाठक ने पूजा अर्चना कर गणेश जी की आरती की गई। उसके बाद कलाकारों द्वारा मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मेले में आए कस्बे के प्रमुख समाजसेवी, गणमान्य संभ्रांत व्यक्तियों ने नाटक मंचन करते हुए कलाकारों का तालियां बजाकर उत्साह वर्धन किया। इस मौके भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलवीर सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय सक्सेना, व्यापार मंडल अध्यक्ष भाजपा नेता हरीश कातिव, संजीव शर्मा, बंटी मौर्य, विनोद

अग्रवाल, सत्य प्रकाश अग्रवाल, नरेश ऐरन, दौलत राम गुप्ता, संजय चौहान, डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, रमन जायसवाल, सचिन चौहान, ओमेंद्र चौहान, जतिन चौहान, मेला मंत्री महिपाल सिंह, प्रेम प्रकाश गर्ग, कमल गुप्ता, प्रदीप गर्ग, जगत सिंह उर्फ सनी, आशीष अग्रवाल, प्रदीप गर्ग, सभासद अबोध सिंह, पंकज शर्मा, सुनील कुमार पांडे, जतिन गुप्ता उर्फ राहुल आदि कस्बे के प्रमुख समाजसेवी, गणमान्य, सम्भ्रांत व्यक्ति व्यक्ति उपस्थित रहे। मेला कमेटी के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता उर्फ अन्नू लाला ने बताया 15 दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें मेला मंच पर 16 अक्टूबर को गरीब कन्याओं की शादी की जाएगी और 17 अक्टूबर को राम बारात निकाली जाएगी। और 24 तारीख को मेला दशहरे का आयोजन किया जाएगा। और उसके बाद 27 अक्टूबर को मेले का समापन होगा।

न्यूज चैनल चलाने वाले के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर भविष्य में न चलाने की लिखित देकर मांगी माफ़ी

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद वर्षो से फर्जी प्रधान संपादक बन कर तस्वीर न्यूज चैनल चलाने वाले विवादित के खिलाफ जब पुलिस से शिकायत की तो शहर के तमाम लोगो से अपनी मदद की गुहार लगाई भविष्य में कभी न चलाने की लिखित देते हुए गलती की माफी मांगी शहर के थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी कई वर्षो से तस्वीर न्यूज नाम से चैनल चला रहा था अपने आप को इस का प्रधान संपादक बता कर लोगो को गुमरहा कर रहा था जब इस की जानकारी संपादक को हुई तो उन्होंने तस्वीर के प्रधान संपादक निवासी तिलहर से की तो उन्होंने बताया की इस समाचार को प्रकाशन प्रासार्ड की समस्त जुमेदारी संपादक के रूप में तुम्हे दे रखी है अगर कोई और चला रहा तो वह फर्जी है इस जाकारी पर जब संपादक ने फर्जी तस्वीर न्यूज चलाने वाले प्रधान संपादक से कहा तो उसने कहा मेरा तस्वीर न्यूज का पंजीकृत अलग है तुम्हारा अलग है जानकारी करने पर मालूम हुआ तस्वीर न्यूज जो भी रिपोर्ट बनाया उन की आई डी पर दैनिक वरदान समाचार पत्र का पंजीकृत संख्या लिख दी जब संपादक ने सारे सबूतों के साथ थाना मऊदरवाजा में लिखित लिखित शिकायत की ये फर्जी तस्वीर न्यूज चला रहा पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया फर्जी तस्वीर न्यूज के प्रधान संपादक के घर दबीस दी मौके से भाग गया शहर के तमाम लोगो से जाकर मिला मामले को निपटाने व तस्वीर न्यूज को भविष्य में न चलाने की गुहार लगाई जब शहर के कुछ लोगो ने तस्वीर न्यूज के संपादक से मिलकर कहा फर्जी संपादक लिखित रूप से दे रहा की अब भविष्य में ऐसी गलती कभी भी नही करेगा और लिखित रूप में भविष्य में कभी भी तस्वीर न्यूज नही चलाएंगे और अपने द्वारा जनपद ब गैर जनपद में बनाए गए पत्रकारों से भी इस बात से अवगत करा देंगे सूत्रों से मिली जानकारी कायमगंज में तस्वीर न्यूज के फर्जी पत्रकार का है उन के खिलाफ भी कार्यवाही हो सकती मालूम हो की ये पहले से ही विवादित है दूसरे समाचारों के माध्यम से लोगो की छवि खराब करने मामले पहले भी आ चुके है व शहर में इसी तरीके से पेरो के लाइसेंस रद्द हो चुके हैं उसके बावजूद लोगों में दहशत बने हुए हैं और लोगों से धन उगाई इसी तरीके से करते आ रहे हैं लेकिन अब प्रशासन की ऐसे लोगों के ऊपर कड़ी है नजर

महूली पंचायत भवन हुआ जर्जर, दुर्घटना के आसार

क्यूँ न लिखूँ सच -निशाकांत शर्मा

एटा- विश्व हिन्दू परिषद गौ रक्षा विभाग के ब्रज प्रान्त के प्रान्त अध्यक्ष अरविन्द सिंह चौहान ने कहाँ कि पूरे ब्रज प्रान्त में गोकंशी व गौशालाओ में भूखे प्यासे गोवंशो को अब किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा क्योंकि शासन के द्वारा सभी गौशाला में भरपूर पैसा आता है पैसे का दुरुपयोग करके सभी गौशाला बाले अपनी जेब भरने में जुटे हुए हैं ऐसा मेरे संज्ञान में आया है तथा पशुपालन विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल जी ने कहा था कि सितंबर अक्टूबर नवंबर में जनपदों में अभियान चला कर सभी गोवंशो को गौशालाओं में पहुंचाया जायेगा तथा गोवंशो को छोड़ने वालों पर भी कार्यवाही करायी जायेगी लेकिन उक्त कार्यक्रम धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है तथा अभी भी गोवंश सड़कों पर घूमते नजर आ रहे है लेकिन कोई सुनने बाला नहीं है जिसके चलते आए दिन घटनाएं हो रही है जिसमें काफी लोग तथा गोवंश मौत के मुंह में समा जाते हैं। पूरे ब्रज प्रांत में देखने में आया है कि चुटैल गोवंशो के इलाज की कोई सुविधा नहीं है तथा सड़कों पर गोवंश खून बहाते घूम रहे हैं कोई देखने वाला नहीं लेकिन जिलाधिकारी महोदय एटा प्रेम रंजन सिंह व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय राजेश कुमार सिंह ने गोवंशों के लिए कमर कस ली है तथा दोनों अधिकारियों ने कहाँ की गोकशी करने वालों पर गैंगस्टर,रासुका तथा एन.एस.ए. के तहत कार्यवाही की जाएगी किसी भी हाल में बक्से नहीं जायेगे ऐसा ही अगर एसे ही पूरे ब्रज प्रांत में जिलाधिकारी महोदय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय कदम उठा लें तो गोवंशो की गोकशी तत्काल प्रभाव से रुक जाएगी।जिलाधिकारी महोदय एटा ने गोवंशो को लेकर काफी सख्त कदम उठाये तथा अधिकारियों को नोडल भी बना दिया गया है गौशालाओं की देखभाल के लिए यह कदम जिलाधिकारी महोदय का बहुत ही सराहनीय है क्योंकि अब जिलाधिकारी महोदय ने अधिकारियों की जिम्मेदारी फिक्स की है इसलिए हालात सुधर सकते हैं।लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर भी कार्यवाही हो क्योंकि कुछ अधिकारी व कर्मचारी सरकार की बदनामी कराने में जुटे हुए हैं सरकार तो बदली लेकिन कुछ तथाकथित अधिकारी व कर्मचारियों की मानसिकता नहीं बदली इसलिए गौशालाओं में भी गोवंशों की दुर्दशा है। श्री चौहान ने कहाँ कि पूरे ब्रज प्रांत में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के द्वारा गौशालाओं का आकस्मिक निरीक्षण कराया जाएगा तथा वहां पर जो कमियां मिलेगी उनको मुख्यमंत्री जी व उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया जायेगा।

युवा समाजसेवी कर रहे हैं जगह का जगह-जगह सनातन का प्रचार

क्यूँ न लिखूँ सच
अशोक कुमार वर्मा

रीवा के युवा समाजसेवी कर रहे हैं जगह का जगह-जगह सनातन का प्रचार जिस तरह से हमारी सनातन पर लगातार कुठारा प्रहार किया जा रहा है उसी तरफ दूसरी ओर देश के प्रदेश के और रीवा जिले की युवा लगातार सनातन के लिए अखंड हिंदू राष्ट्र के लिए कार्य कर रहे हैं समाज के अंतिम छोर तक आवाज जाए इसके लिए लगातार प्रचार प्रसार कर रहे हैं समाज सेवी सुधीर तिवारी जी सोमिल तिवारी जी अशोक जी शिव प्रकाश दुबे जी चित्रकूट में साधु संतों के आशीर्वाद के उपरांत आदेश की उपरांत लगातार सनातन के कार्य में लगे हुए हैं जिससे अच्छे स्वास्थ्य समाज का निर्माण हो

सर्वर न होने के कारण तीन रोज से नहीं मिल रहा है राशन

क्यूँ न लिखूँ सच
अशोक कुमार वर्मा

डभौरा रीवा उचित मूल्य की दुकान में सर्वर न होने के कारण तीन रोज से नहीं मिल रहा है राशन हितग्राही हुए परेशान उचित मूल के विक्रेता द्वारा या जानकारी दी गई भोपाल से ही मशीन में सर्वर ना होने के कारण नहीं मिल पा रहा है राशन हितग्राहियों की मांग सरवर सुधार कर तुरंत राशन प्रदान किया जाए!

www.knlslive.com

श्री वार्ष्णेय मंदिर अलीगढ पर सज रहा है माता रानी का भव्य दरबार

क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ महानगर के मध्य स्थित भव्य श्री वार्ष्णेय मंदिर अलीगढ़ मे शारदीय नवरातों के अवसर पर श्री नवदुर्गा महोत्सव सेवा समिति द्वारा दसवां नवरात्रि महोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाये जाने की जबरदस्त तैयारियां चल रही हैं। माता रानी के दरबार के साथ साथ सम्पूर्ण मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। इस अवसर पर कारीगरों द्वारा माता रानी की पवित्र गुफा विशेष रूप से तैयार की जा रही है। पहाड़ों पर बैठी माता वैष्णो देवी जब भक्तों को गुफा के अंदर दर्शन देंगी तो नज़ारा कुछ अलग ही होगा। नवदुर्गा महोत्सव समिति के मीडिया प्रभारी भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक ने बताया कि 15 अक्टूबर 2023 से 23 अक्टूबर 2023 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं। नवदुर्गा महोत्सव कार्यक्रम का आनंद एवं माता रानी का आशीर्वाद अवश्य प्राप्त करें। श्री वार्ष्णेय मंदिर के प्रवक्ता भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक के अनुसार यह नवदुर्गा कार्यक्रम रविवार, 15 अक्टूबर 2023 को सांय 7:00 बजे श्री नवदुर्गा स्थापना एवं नौ देवी दर्शन के साथ प्रारम्भ होगा।

नवदुर्गा जीवंत रूप मे साक्षात् दर्शन देने आएँगी। इनके अलावा 16 अक्टूबर 2023 दिन सोमवार को सांय 7:00 बजे माँ भगवती रूप सज्जा प्रतियोगिता का कार्यक्रम रहेगा। प्रतियोगिता फार्म मंदिर कार्यालय से प्राप्त कर वही पर जमा किये जा सकते हैं। 17 अक्टूबर 2023 दिन मंगलवार को सांय 7 बजे से बालाजी महाराज जी की भजन संध्या होगी। बुधवार 18 अक्टूबर 2023 को शाम 7:00 बजे खाटू श्याम जी की भजन संध्या मे दिल्ली के मशहूर भजन गायक सतीश कौशिक भक्ति रस बरसाएंगे।

गुरुवार, 19 अक्टूबर 2023 को सांय 7:00 बजे से एक शाम ठाकुर जी के नाम भजन संध्या का आयोजन रहेगा।इस भजन संध्या मे भजन सम्राट संदीप ठाकुर कृष्ण भक्ति रस बरसाएंगे। शुक्रवार, 20 अक्टूबर 2023 को शाम 7:00 बजे से दिल्ली के कलाकारों द्वारा माता की चौकी का आयोजन रहेगा। शनिवार, 21अक्टूबर 2023 को 7:00 बजे से बाबा नीव करौरी जी की भजन संध्या का अनुपम आयोजन होगा। 22 अक्टूबर 2023, दिन रविवार को सांय 7:00 बजे से माता रानी की आरती 251 थालों से महाआरती की जाएगी साथ मे भजन संध्या का आयोजन रहेगा। 23 अक्टूबर 2023 दिन सोमवार को सायं 7 बजे माता रानी की प्रतिमा को श्री वार्ष्णेय मन्दिर के जगमोहन में पुनर्स्थापित करने के साथ प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रहेगा। रविवार, 29 अक्टूबर 2023 को गरबा एवं डांडिया का कार्यक्रम विशेष रूप से आयोजित होगा। इस कार्यक्रम मे दिल्ली की मशहूर गायिका कनिका चौधरी अपनी आवाज का जादू पहली बार अलीगढ मे बिखेरने आ रही हैं। गरबा एवं डांडिया का कार्यक्रम स्थल श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय का क्रीडास्थल रहेगा। इन सभी कार्यक्रमों में आप सपरिवार एवम इष्ट मित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं। इस नव दुर्गा महोत्सव को सफल बनाने के लिए संजीव बैभव, भुवनेश आधुनिक, संजीव वार्ष्णेय फन्नू, उमेश सरकोंडा, विष्णु भैया, श्रीमती लता गुप्ता, डा चंद्र शेखर ऋषि, संदीप नक्षत्र, राहुल स्क्रेप, कृष्ण कुमार सीटू, संदीप कुमार घी, गौरव गुप्ता ब्रास, मनीष एस बी डी, अभिषेक वार्ष्णेय रियल जूस, राजेश सरकोंडा, मुकेश वंशी सरकोंडा, सुमित सायंटिफिक, सचिन अग्रवाल, गौरव एल्ड्राप, अंकुर सासनी, मनीष नीलगिरी, कमल गुप्ता बाबा, यतीश वार्ष्णेय, जितेंद्र जीतू, कान्हा वार्ष्णेय, नीटू शर्मा, सुनील मित्तल, विष्णु हरी गुप्ता, हीरेंद्र अग्रवाल, निखिल वार्ष्णेय, राजू गनपत, पार्षद अलका गुप्ता, मंदिर महंत पंडित मनोज मिश्रा आदि को जिम्मेवारी सौंपी गयी है।

डराने वाला आंकड़ा: यूपी में हर साल 14700 बच्चे हो रहे कैंसर ग्रस्त, 30 फीसदी ही पहुंच पाते हैं अस्पताल

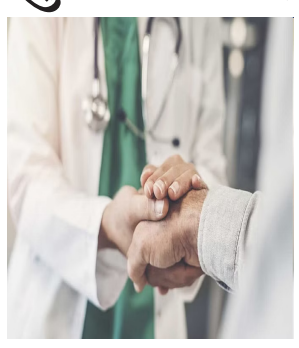

डॉ. मनोज शुक्ल ने कहा कि कैंसरग्रस्त बच्चों की देखभाल और प्राथमिक स्तर पर जांचने के लिए फ्रंट लाइन वर्कर को प्रशिक्षित किया जाएगा। ताकि जल्द से जल्द कैंसर की बीमारी की पहचान हो सके। प्रदेश में हर वर्ष करीब 14,700 बच्चे कैंसर ग्रस्त हो रहे हैं। इनमें से मात्र 30 फीसदी बच्चे ही कैंसर उपचार केंद्र तक पहुंच पाते हैं। शेष 70 फीसदी को राज्य के भीतर या बाहर के अस्पताल में पहुंच नहीं है। यह कहना है स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा का। वह शनिवार को बचपन के कैंसर पर हो रही परामर्शदात्री कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और कैनकिड्स किड्सकैन के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि डब्ल्यूएचओ ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर चाइल्डहुड कैंसर (जीआईसीसी) ने 2030 तक भारत जैसे कम आय वाले देश के लिए 60 फीसदी जीवित रहने की दर का लक्ष्य रखा गया है। इससे अतिरिक्त 10 लाख लोगों की जान बचाई जा सकेगी। 60 फीसदी उत्तरजीविता हासिल करने के लिए शत प्रतिशत बच्चों की देखभाल की व्यवस्था करनी होगी। उन्होंने कहा कि जांच केंद्र बढ़ाने और उन्हें अपग्रेड करने की जरूरत है। मरीज को फॉलोअप के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) स्तर पर सुविधा देने की तैयारी है। इस दौरान एनएचएम के डॉ. मनोज शुक्ल ने कहा कि कैंसरग्रस्त बच्चों की देखभाल और प्राथमिक स्तर पर जांचने के लिए फ्रंट लाइन वर्कर को प्रशिक्षित किया जाएगा। ताकि जल्द से जल्द कैंसर की बीमारी की पहचान हो सके। इस दौरान डॉ. अर्चना कुमार ने कैंसर से जुड़ी विभिन्न जानकारी दी। कैनकिड्स किड्सकैन की अध्यक्ष पूनम बगई बताया कि प्रदेश में 11 उपचार केंद्र, तीन देखभाल केंद्र और एक राज्य देखभाल समन्वय केंद्र स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2030 तक 100 प्रतिशत और 2025-26 तक देखभाल तक 50 फीसदी बच्चों तक पहुंच बढ़ाना है। इस दौरान परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ. बृजेश राठौड़, महाप्रबंधक डॉ लक्ष्मण सिंह आदि मौजूद रहे।

अखिलेश का तंज: पब्लिक सर्वेंट स्वास्थ्य मंत्री को मरीजों पर नहीं आता तरस, प्रसूताओं के भोजन में भी घोटाला

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि बलरामपुर के सरकारी अस्पतालों में प्रसूताओं को घटिया क्वालिटी का भोजन दिया जा रहा है। समय से नाश्ता-खाना नहीं दिया जा रहा है।सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से बदहाली का शिकार है। अस्पतालों में प्रसूताओं और मरीजों को मिलने वाले भोजन में भी घोटाला किया जा रहा है। सरकार और पब्लिक सर्वेंट स्वास्थ्य मंत्री मरीजों की हालत पर तरस नहीं खा रहे हैं। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि बलरामपुर के सरकारी अस्पतालों में प्रसूताओं को घटिया क्वालिटी का भोजन दिया जा रहा है। समय से नाश्ता-खाना नहीं दिया जा रहा है। लखनऊ के लोहिया अस्पताल में दूसरे जिलों से आने वाले मरीजों के ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं होने से मरीज और तीमारदार बाहर खुले में लेटने को मजबूर हैं। देवरिया में पिछले दिनों 35 बेड पर 52 बच्चों का इलाज होते पाया गया। केजीएमयू और लारी अस्पताल में मरीजों को तमाम परेशानियां उठानी पड़ रही है। बरेली के पीड़ित परिवारों से कल मिलेंगे सपाई सपा का एक प्रतिनिधिमंडल 16 अक्तूबर को बरेली में सीबीगंज की प्रिया कश्यप और फरीदपुर के गांव डभौरा में पीड़ित परिवार से मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महासचिव अता उर रहमान, विधायक शहजिल इस्लाम विधायक, पूर्व सांसद प्रवीन सिंह ऐरन और सपा जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप शामिल रहेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 16 अक्तूबर को देवरिया जाएंगे। वह वहां के रुद्रपुर हत्याकांड में पीड़ित दोनों परिवारों के सदस्यों से मिलेंगे। सोमवार को ही मृतक पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव का ब्रह्मभोज है। अखिलेश से मिले एमपी के सपा नेता- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मध्य प्रदेश के पार्टी नेता मिले। इस दौरान टिकटों को लेकर बातचीत हुई। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि गठबंधन के तहत सपा वहां पूरी तैयारी से चुना लड़ेगी।

After 25 years, Karan Johar shared unseen pictures from the film, fans said - 'What were those days'

Kuch Kuch Hota Hai Bts Photos Karan Johar's banner Dharma Productions has shared BTS photos of this film on the special occasion of completion of 25 years of Kuch Kuch Hota

Hai. These photos can be seen from the beginning of the film till the ending of the film. Along with sharing the pictures, he has also written a special caption. The film 'Kuch Kuch Hota Hai', directed by Karan Johar, is going to complete 25 years on 16th October. This film has been one of the favorite movies of many people. Now to celebrate this special occasion, their banner Dharma Productions has shared some unseen behind-the-scenes pictures from the sets of this romantic comedy film. These stars were seen - Karan Johar's 'Kuch Kuch Hota Hai' classic One of the movies. Many actors like Shahrukh Khan, Kajol, Rani Mukherjee, Archana Puran Singh, Anupam Kher, Farida Jalal, Sana Saeed were seen in this film. In such a situation, seeing the behind-the-scenes photos of the film after 25 years is no less than a gift for the fans. Shared many photos - Karan Johar's banner Dharma Productions shared many BTS photos during the shooting of the film on its social media handle Instagram. Have shared. In these photos, the film can be seen from the beginning to the ending. In the first photo, Rani Mukherjee, Shahrukh Khan and Farah Khan are seen preparing to sing 'Koi Mil Gaya'. In the second photo, the filmmaker is seen explaining the scene to Kajol. Along with this, many more pictures have also been shared. While sharing the photo, the caption has been written, 'Before you plunge into the memories of theaters again, here is a glimpse of everything going on behind the scenes. Experience the magic of cinema and 'Kuch Kuch Hota Hai' on 15th October. After seeing these pictures, the fans also look very happy. Commenting, one user wrote, 'What were the golden days, those memories, the trending fashion of college students, crush and love, friendship is the time'.

If you want to control diabetes, include these natural herbs in your diet.

Health Tips: Nowadays the problem of sugar is becoming common. Due to this disease, other parts of the body are also affected, hence it is important to keep the sugar level in the body under control. Some herbs are very beneficial for diabetic patients, by using them the blood sugar level can be normalized. Soluble fiber is found in fenugreek seeds. Evergreen is considered a panacea for diabetes.

Black pepper also keeps the sugar level under control. When the sugar level increases in the body, diabetes occurs. This disease can happen to a person at any age. Nowadays children are also falling prey to this disease. Diabetes gradually spoils the entire body, hence it is important to control the sugar level in the body. Diabetic patients can keep sugar under control with the help of these herbs. So let us know which are those herbs which keep sugar under control. Cinnamon – Cinnamon, which enhances the taste of food, keeps the sugar level in the body under control. Along with working on insulin resistance, it also helps in reducing cholesterol and fat, hence a pinch of cinnamon powder can be included in the daily diet. You can also drink it by adding it to tea. Black pepper- Black pepper also keeps the sugar level under control. A component called piperine is found in it, which keeps the blood sugar level under control. Fenugreek seeds- Soluble fiber is found in fenugreek seeds, which reduces blood sugar level. You can either eat its grains directly or add them to tea. Jamun seeds-Alkaloids are found in Jamun seeds, which prevent the conversion of starch into sugar and keep the blood sugar level under control.-Evergreen- Evergreen is considered a panacea for diabetes. Its consumption increases the activity of pancreas, which helps in insulin secretion. Gurmar-Gurmar or Gymnema is a herb which is used in Ayurvedic medicine. It reduces the craving to eat sugar and also controls the blood sugar level. Aloe Vera- Aloe Vera gel helps in reducing blood sugar. However, it should be used only after consulting a doctor because it can react with medicines.

The holy festival of Navratri is starting, if you live in UP then visit these Shaktipeeths of Goddess.

The festival of Sharadiya Navratri is starting from Sunday, October 15. Everyone waits for these nine days of worship of Mother Shakti. According to religious beliefs, worshiping the nine forms of Goddess Durga during these nine days gives special benefits. Mother's darshan also has special significance during Navratri, so why not plan a visit to Mother's Shaktipeeths

this time? If you live in Uttar Pradesh, then there are five Shaktipeeths of Mother Goddess here, whose darshan you can plan during Navratri this time. According to theology, there are 51 Shaktipeeths of the Goddess but in some texts there is mention of 52 Shaktipeeths. Mother Sati had reached the yagya meeting of King Daksh without her father's invitation. King Daksh insulted her husband a lot in front of Mother Sati. In anger the mother sacrificed her life by jumping into the fire pit. After this, angry Lord Shiva reached there and took the dead body of Sati and started performing Shiva Tandav. Doomsday started coming upon the universe, upon which Lord Vishnu cut the body of Mata Sati into pieces with Sudarshan Chakra to stop it. Mother's body parts and jewelery fell in 52 pieces at different places on the

earth, which are known as Shaktipeeths. Let us know which are the Shaktipeeths in Uttar Pradesh which can be visited. Devi Patan Temple - There is a Shaktipeeth of Mata in Balrampur district which has a lot of beliefs - it is known as Devi Patan Shaktipeeth. According to beliefs, the left shoulder of Mother Sati had fallen here. Mother is present in this Shaktipeeth in the form of Mateshwari. There is a lot of crowd here during Navratri days. You can easily reach here from Tulsipur Railway Station. Ramgiri Shaktipeeth- Ramgiri Shaktipeeth located in Chitrakoot, Uttar Pradesh is also very famous. Here the right breast of Mata Sati had fallen. Mother is present at this place in the form of Shivani. Located on the Ramgiri mountain, you can easily reach here from 'Chitrakootdham Karvi' railway station. This has been a very important place from the point of view of tourism, where lakhs of devotees come every year for darshan. Vindhyachal Shaktipeeth - In Vindhyachal Shaktipeeth, Mother Goddess is present in the form of Vindhyavasini, it is situated in Mirzapur district. Mythological beliefs say that Shaktipeeth is the place where the body parts of Sati had fallen but no body part had fallen in Vindhyachal. Here the Goddess resides physically, it is believed that she had chosen this place for her stay. There are temples of three goddesses near the temple, by visiting which you can attain virtue. Manikarnika Ghat - This Shaktipeeth situated in Varanasi, Uttar Pradesh is very supernatural and full of beliefs, Manikarnika of Mata Sati had fallen here. Here Vishalakshi and Manikarni forms of Mother are worshipped. Manikarnika Ghat is considered to be Muktidham, where one attains heaven after performing the last rites. This temple can be visited at a short distance from Varanasi Railway Station. Mata Lalita Devi Shaktipeeth- After Varanasi, you can go to Prayagraj to visit the next Shaktipeeth, here is Lalita Devi Shaktipeeth where the finger of Mata Sati's hand is placed. Had fallen. Here the mother is known as Lalita. During Navratri days, a large crowd of people gather here to have darshan of the Mother Goddess.

Akshay Kumar wants to make films that bring change, said - this is the way to give back what the society has given.

Akshay Kumar said - I know that if I do films like Ek Singh is King, Suryavanshi or Rowdy Rathore, I will earn three-four times more, but it is not a matter of money. This realization

came very early in life but at that time I did not have enough money to produce films. When I started my production company, I started making such films. Along with art, business is also an important part of films. Films are made with huge costs. In such a situation, manufacturers want to recover that cost with profits. Talking about actor Akshay Kumar, his desire to become a producer was a little different from other producers. He has made many films related to social issues including Pad Man, Toilet: Ek Prem Katha. During a recent interview, Akshay said that this is my way of giving back what the society has given me. I know that if I do a film like Ek Singh is King, Suryavanshi or Rowdy Rathore, I will earn three-four times more, but it is not about money. This realization came very early in life, but at that time I did not have enough money to produce films. When I started my production company, I started making such films. I am fond of making such films because my family environment has been like this. I never saw my parents fighting. We didn't have much money. We lived in a small house in Mumbai by paying a rent of Rs 100. But not a day went by when we did not laugh and play. Now that we have so much money, we still feel sad sometimes. Further, when Akshay was asked whether he would ever want to enter politics? On this he said no, I do not want to go into politics. I am made to make films. I don't know what's next, but right now I want to make films that bring change.

HC strict on demand to remove casteist words from 'Guthli Laddu', orders Censor Board to take decision

Gujarat High Court has ordered the Censor Board to take a decision on removing words objectionable to Valmiki community from the film 'Guthli Laddu'. Sanjay Mishra's film 'Guthli Laddu' has been released in theaters today on 13th October. Is. On the other hand, the film is also embroiled in controversies. It was alleged that the film used unconstitutional and

unparliamentary words and language against the Valmiki community, and an application was filed against the producers of the film and the Censor Board in the Gujarat High Court demanding its removal. Now the Gujarat High Court on Thursday directed the Central Board of Film Certification to take a decision within 24 hours regarding the use of objectionable words for the Valmiki community in the Hindi film 'Guthali Laddu' to be released on Friday. instruction of The film has been released today on Friday. The court directed lawyer Siddharth Dave, appearing on the request of Assistant Solicitor General Devang Vyas, to immediately inform the CBFC about the court order. In the case, one of the producers of the film, UV Films, argued that the film has been screened in several film festivals. CBFC has given 'U' certificate to this film. Movies with 'U' certificate can be screened publicly, which the family can also watch sitting together. The High Court had issued a notice- Earlier on October 9, the High Court had issued a notice to the producers of the film and the Central Board of Film Certification (CBFC). The court issued notice on a petition filed by Nimesh Vaghela through his lawyer Vishal Thakkar, seeking removal of a word from the film as well as withdrawal of its certification. The plea said that the film has violated the provisions of the Cinematograph Act, 1952 as well as the Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prevention and Atrocities) Act 1989 by using the said word, which hurts the sentiments of the Valmiki community. Allegation of hurting the sentiments of Valmiki community - The petitioner had said that he does not oppose the subject of the film but is against the use of hurtful words as well as the CBFC's decision to give "U" certification to the film. This word has been used several times in the trailer of the film during the religious conversion between mother and son. The film 'Guthli Laddu' has described the suffering of a child of Valmiki community, but at the same time the use of the word 'Bhangi' has often been cool and has hurt the sentiments of the people of Valmiki community, hence the film as well Unparliamentary words should also be removed from the trailer. In place of these words, such words should be used which do not hurt anyone's sentiments.

In these films, the actress left the hero and became intimate with the heroine, even the audience was surprised.

It is common in films to film bold scenes between hero and heroine. Sometimes such scenes are added in films due to the demand of the script and sometimes to add a touch of boldness. But, there are many films in which bold scenes are shown not between hero and heroine, but between two heroines. The audience was also surprised to see such a scene. Let us know which are those films... Khufiya - The film 'Khufiya' directed by Vishal Bhardwaj is being

liked a lot. Tabu has become a RAW agent in this suspense thriller film. Once again he has made the audience crazy with his acting. Tabu is shown as gay in this film. Although she is seen as a divorced woman, who also has a son. But, the entry of Hina Rehman (Ajmeri Haq Badhon) is also shown in his life. At one place in the film, Ajmeri Haq is also seen forcibly kissing Tabu. Heroine- Reena Kapoor Khan's film Heroine was liked a lot. In this film, Kareena played the role of a heroine who flops after a successful career. Kareena had a hot scene with Shahana in this film. Fire- The film Fire is also in this list. Shabana Azmi and Nandita Das's film was Fire, which was released in the year 1998. At that time too, a kissing scene was shot between the two. Ragini MMS 2 - There were many intimate scenes between Sunny Leone and Sandhya Mridul in Ragini MMS 2. The bold scenes between the two were much talked about. However, Sunny was not affected by this. Parched- The film Parched also falls in this category. Radhika Apte has given many bold scenes in this film. But in one scene she was seen with actress Tannishtha Mukherjee. This intimate scene filmed between the two actresses was much discussed.

Before Big Atal on the big screen, it's the turn of little Atal on the small screen, a new show of Bal Atal's stories is coming soon.

Although the film 'Main Atal Hoon' based on the life of former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee is looking difficult to be released in December as the matter has reached the Mumbai High Court, but before that, a serial based on the life of Vajpayee, 'Atal Hoon' is now being made for the small screen. 'The construction is going to start. Untold aspects of Atal Bihari's childhood will be shown through the serial 'Atal'. The serial 'Atal', which is going to be telecast soon on & TV, will shed light on the untold aspects of the childhood of former Prime

Minister Atal Bihari Vajpayee as well as the events due to which he came into politics and played an important role in the building of the country. Played. During the tenure of Atal Bihari Vajpayee, many such important decisions were taken, which decided the destiny of the country and gave it a new identity on the global stage. Atal Bihari Vajpayee inscribed his name in the pages of history with his decisive actions and left behind an incomparable legacy that defined an era of immense success and progress. Atal Bihari Vajpayee was an influential leader and was highly respected in the hearts of Indians. Is. &TV will present untold aspects of his childhood through its show 'Atal'. The show will depict the early years of the life of a leader who played a vital role in shaping the destiny of India. The show's story will also highlight his relationship with his mother, who deeply influenced his beliefs, values and thinking. &TV has recently released the promo of its show 'Atal'. The character who will play the childhood and youth of Atal Bihari Vajpayee for this show is yet to be selected. Ever since the announcement of the serial, a lot of excitement is being seen regarding it. The channel is going to reveal its remaining plans in this regard soon. The story of the film 'Main Atal Hoon' was said to be based on NP's book 'The Untold Vajpayee: Politics and Paradox'. But, now due to breaking the film's connection with this book, those who have the rights to make a film on the book have filed a case in the Bombay High Court in this regard. This film is being directed by Ravi Jadhav.